कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

कोलकाता | शनिवार 08 मार्च 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1304 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

ममता बनर्जी के घर में ही कलह के आसार

*** ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच तनाव के संकेत.**
*** अभिषेक बनर्जी पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक से अनुपस्थित रहे.**
*** तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह की अटकलें तेज.**

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (कोलकाता): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के घर में ही कलह के आसार दिख रहे हैं। बीते कुछ समय से ममता बनर्जी से दूरी बना चुके उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी पार्टी की एक अहम बैठक से भी दूर दिखे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि ममता बनर्जी के घर में सब कुछ सही नहीं है। बीते कुछ वक्त से अभिषेक की नाराजगी की बात लगातार सामने आ रही है।

जानकारी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की बृहस्पतिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में हुई महत्वपूर्ण मतदाता सूची सत्यापन मीटिंग से अनुपस्थिति ने सत्तारूढ़ पार्टी के भीतरी समीकरण को लेकर अटकलों को फिर हवा दे दी है। वोटर लिस्ट में कथित अनियमितताओं के समाधान के लिए पिछले सप्ताह पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति की ये पहली बैठक थी। वैसे तो इस समिति में अभिषेक बनर्जी का नाम तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के तुरंत बाद दूसरे नंबर पर था, लेकिन वो बैठक में नहीं पहुंचे।

मीटिंग से उनकी अनुपस्थिति से पार्टी के आंतरिक समीकरणों पर नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है और कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पहले भी पार्टी में शीर्ष स्तर पर तनाव के कयास लग रहे थे, लेकिन नेताजी इंडोर स्टेडियम में हाल ही में आयोजित एक रैली में ममता बनर्जी द्वारा अभिषेक के भाषण का सार्वजनिक समर्थन किए जाने के बाद शीर्ष स्तर पर यह तनाव कम होने की धारणा बन गई थी।

पार्टी के कुछ नेताओं ने इसको कमतर दिखाने की कोशिश की जबकि कुछ ने ममता बनर्जी के उस स्पष्ट निर्देश की तरफ इशारा किया कि मतदाता सूची से संबंधित सारे चुनावी कार्य पार्टी मुख्यालय में ही होंगे, कहीं और नहीं। ये पार्टी समीकरण में संभावित बदलाव का संकेत है। इस बीच अभिषेक के करीबी सूत्रों ने कहा कि अन्यत्र उनकी व्यस्तता की वजह से वह बैठक में नहीं पहुंच पाए। पिछले सप्ताह ममता बनर्जी ने बीजेपी पर निर्वाचन आयोग के कथित समर्थन से 'बाहरी' मतदाताओं को शामिल करने का आरोप लगाया था।

कोल इंडिया मुख्यालय में महिला दिवस के उपलक्ष्य में कांथा मेला का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (पांडवेश्वर): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर कोल इंडिया मुख्यालय कोलकाता कार्यालय में एक समारोह का आयोजन किया गया. जिसमें कांथा कढ़ाई का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच दिया गया. कोल इंडिया के सीएसआर पहल के तहत सहायता प्रदान कांथा कढ़ाई को दर्शाया गया.

बीरभूम जिला के शांतिनिकेतन में कांथा कढ़ाई कार्य का प्रशिक्षण लेने वाली महिलाओं को स्वालंबन बनाने के उद्देश्य से कोल इंडिया सहायता राशि देती हैं,ग्रामीण महिला कारीगरों को सम्मानित करने के लिए एक 'कांथा मेला' आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक वर्ष 700 से अधिक कारीगरों को सशक्त बनाने की दृष्टि से, यह पहल घरेलू आय को बढ़ावा देते हुए क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

डॉ. मनीषा दास मंडल द्वारा प्रशिक्षुओं और संविदा कर्मियों सहित महिला कार्यबल के लिए 'स्व-देखभाल' पर एक स्वास्थ्य वार्ता सत्र का भी आयोजन किया गया.

इस अवसर पर कोल इंडिया के निदेशक कार्मिक विनय रंजन, वित निदेशक मुकेश अग्रवाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी, ब्रजेश कुमार त्रिपाठी और सीआईएलओडब्लूएस के उपाध्यक्ष समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

मतदाता सूची की निगरानी के लिए राज्य से भेजी गई सूची नेताओं को सौंपी गई

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (पुरुलिया): रघुनाथपुर 1 ब्लॉक की तृणमूल कांग्रेस श्रमिक यूनियन आईएनटीटीयूसी फर्जी मतदाताओं को पकड़ने के लिए मैदान में उतर गई है। इसे लेकर हुई कार्यकर्ता बैठक के दौरान रघुनाथपुर ब्लॉक 1 के तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता संगठन ने मतदाता सूची की निगरानी के लिए राज्य से भेजी गई सूची क्षेत्रीय प्रमुख समेत पार्टी नेताओं को सौंपी।

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश पर रघुनाथपुर एक नंबर ब्लॉक के तृणमूल कांग्रेस श्रमिक संगठन के नेता व कार्यकर्ता मतदाता सूची निगरानी अभियान कार्यक्रम के माध्यम से घर-घर जाकर फर्जी मतदाताओं को पकड़ेंगे।

रघुनाथपुर एक नंबर प्रखंड के तृणमूल कांग्रेस श्रमिक संगठन द्वारा गुरुवार को आद्रा के अपर बेनियासोल स्थित एक सामुदायिक भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मतदाता सूची निगरानी अभियान को लेकर रघुनाथपुर एक नंबर प्रखंड के तृणमूल कांग्रेस श्रमिक संगठन के अध्यक्ष तूफान कुमार राय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। कार्यकर्ता बैठक में रघुनाथपुर ब्लॉक 1 क्षेत्र से रिकॉर्ड संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिनमें महिलाओं की खासी भीड़ देखी गई।

कार्यकर्ता बैठक में रघुनाथपुर 1 नंबर पंचायत समिति अध्यक्ष सुकुरमनी मुर्मू, पुरुलिया जिला परिषद सदस्य सरस्वती बाउरी और अजीत बाउरी, आद्रा शहर तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष राजा चौबे, रघुनाथपुर 1 नंबर पंचायत समिति के कार्यकारी निदेशक डी. मनोज कुमार, कालीपद बाउरी, देबप्रसाद बाउरी, तृणमूल कांग्रेस आड़रा क्षेत्र के अध्यक्ष संजीव दत्त, रघुनाथपुर 1 ब्लॉक तृणमूल कांग्रेस श्रमिक संगठन के अध्यक्ष तूफान कुमार रॉय, और विभिन्न ग्राम पंचायत प्रधान और पार्टी नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

कार्यकर्ता बैठक के दौरान रघुनाथपुर ब्लॉक 1 के तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता संगठन ने मतदाता सूची की निगरानी के लिए राज्य से भेजी गई सूची क्षेत्रीय प्रमुख समेत पार्टी नेताओं को सौंपी।

ईसीएल ने सांकतोड़ीया अस्पताल में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट ट्रेड कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (सांकतोड़ीया): ईसीएल के निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा ने संकटोडिया अस्पताल, ईसीएल में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट ट्रेड (जीडीए) में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक कौशल प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के तहत ईसीएल मुख्यालय के आस-पास के गांवों की 120 महिलाओं को प्रमिथ फाउंडेशन के सहयोग से जीडीए ट्रेड में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर, श्री सिन्हा ने नए शामिल हुए प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की और उन्हें कौशल प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाने पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने 'नए भारत' के निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की और युवा लड़कियों को इस मेगा मिशन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

ईसीएल अपनी स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है और इस उत्सव के एक हिस्से के रूप में पूरे वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित दिन पर थीम-आधारित सीएसआर गतिविधियाँ शुरू की जा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, सीएसआर पहलों के स्नो बॉल इफेक्ट बनाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा महिला सशक्तिकरण थीम का चयन किया गया था और इसी पहल के तहत ईसीएल द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए यह कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इस अवसर पर सुब्रत दासगुप्ता, महाप्रबंधक (अधिकारी स्थापना), डॉ. संगीता तिवारी, चिकित्सा सेवाएं की प्रमुख, डॉ. समीर पोद्दार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी), पुण्यदीप भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (कार्मिक), बी. प्रसाद, महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास विभाग), देबाशीष मुखर्जी, विभागाध्यक्ष (सीएसआर), शरदिंदु तिवारी विभागाध्यक्ष (सुरक्षा), वरिष्ठ चिकित्सक और ईसीएल के अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रमिथ फाउंडेशन के निदेशक एस. बी. मंडल भी उपस्थित थे।

आईएसपी के सुब्रत पाल ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में जीता पदक

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (बर्नपुर): इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर के सुब्रत पाल ने 4 मार्च को बेंगलुरु के कांतिरवा स्टेडियम में आयोजित 45वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक चैंपियनशिप में 100 मीटर हर्डल दौड़ में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीता।

अपने युवा दिनों में एक प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी और अनुभवी एथलीट रहे सुब्रत पाल वर्तमान में इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर के कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा) कार्यालय में सेक्शन अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

इससे पहले, उन्होंने कोंनागर में आयोजित 39वीं पश्चिम बंगाल स्टेट मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेते हुए 100 मीटर हर्डल, लंबी कूद और ट्रिपल जंप में तीन स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीते थे।

स्वास्थ्य परिसेवा में सुधार की मांग, सौंपा ज्ञापन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (खड़गपुर): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का वादा कर रही हैं, लेकिन पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत खड़गपुर में इसके विपरीत हो रहा है।

खड़गपुर में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। खड़गपुर महकमा अस्पताल में स्वास्थ्य साथी सेवा एक साल से अधिक समय से बंद है। सीटी स्कैन का उद्घाटन तो हुआ, लेकिन यह अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

इस बार, खड़गपुर नगरपालिका के यूपीएचसी-6 नंबर पौर स्वास्थ्य केंद्र में डिजिटल एक्स-रे मशीन लगभग एक साल से पड़ी हुई है, लेकिन यह शुरू नहीं हुई है। केंद्र के प्रभारी डॉक्टर देवाशीष दे ने बताया कि उन्हें इसके पीछे का कारण नहीं पता है।

इस मुद्दे पर आमरा वामपंथी संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और यूपीएचसी-6 नंबर पौर स्वास्थ्य केंद्र में एक्स-रे सेवा शुरू करने की मांग की। संगठन के नेता अनिल दास ने कहा कि ज्ञापन की एक- एक प्रति नगरपालिका की अध्यक्ष, स्वास्थ्य अधिकारी और जिला मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, और खड़गपुर महकमा शासक को दी जाएगी।

डिसरगढ़ दामोदर घाट से शुरू हुई पुष्पा स्टाईल मे बालू की तस्करी

*** पुलिस को चकमा देकर गलियों के रास्ते टेम्पो से बालू की हो रही तस्करी**
*** इस कार्य मे बालू तस्कर नाबालिक युवकों का इस्तेमाल कर रहे**
*** बालू के ऊपर प्लास्टिक देकर मिट्टी का एक परत दे दी जाती है**

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (कुल्टी): कुल्टी थाना अंतर्गत सकतोड़िया फाड़ी क्षेत्र के वार्ड संख्या 103 स्थित टाली मोड़ इलाके के 9 नंबर घाट पर अवैध बालू का एक बड़ा डिपो बना हुआ है, जिस डिपो मे डिसरगढ़ दामोदर घाट से रात के अंधेरे मे अवैध रूप से बालू उठाकर जमा किया जाता है, जिसके बाद टेम्पू के सहारे इलाके के संक्रिय गलियों से होते हुए पुलिस को चकमा देकर वह अवैध बालू सकतोड़िया पुलिस फाड़ी अंतर्गत 72 नंबर वार्ड के गंगोटिया इलाके मे काली मंदिर के निकट घने जंगल मे स्टॉक किया जा रहा है,

हैरानी की बात तो यह है कि इस कार्य मे बालू तस्कर नाबालिक युवकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिन युवकों को पकड़े जाने पर किसी भी क़ीमत पर अपना मुह नही खोलने की ख़ास ट्रेनिंग दी जाती है, उनको यह भी अच्छे से बता दिया जाता है कि अगर रास्ते मे कोई भी उनको बालू से जुड़ी कोई जानकारी लेने की कोशिश करे तो वह उन्हें कुछ ना बताएं और बालू लेकर सीधे डिपो पहुँचे, बाकी सब वह देख लेंगे, तस्करों द्वारा इस तरह के तमाम ट्रेनिंग पाने के बाद यह नाबालिक बेरोजगार युवक टेम्पू पर अवैध बालू लेकर एक जगह से दूसरे जगह बालू स्टॉक कर रहे हैं, जहाँ से ट्रेक्टर पर उस अवैध बालू को कस्टमर की मांग पर कस्टमर के द्वारा दीये गए पते पर भेजने की तैयारी की जाती है, रास्ते मे अवैध बालू पर पुलिस या फिर किसी अन्य लोगों की नजर ना पड़े किसी को सक ना हो बालू के ऊपर प्लास्टिक देकर उसके ऊपर मिट्टी का एक परत दे दी जाती है और ट्रेक्टर को रवाना कर दिया जाता है.

इलाके के लोगों की अगर माने तो बालू तस्करों की तस्करी के लिये अपनाया गया यह आइडिया पुष्पा फ़िल्म से मिलता जुलता है, तस्करों के द्वारा बालू तस्करी करने की यह स्टाईल उनको पुष्पा फ़िल्म की याद दिला देती है, पुष्पा फ़िल्म मे जिस तरह पुष्पा ने चंदन की लकड़ी की तस्करी के लिये चंदन की लकड़ी का बैल गाड़ी बनवा दिया था और तस्करी को अंजाम दिया था, ठीक पुष्पा फ़िल्म के तर्ज पर ही इलाके के बालू तस्कर ना ट्रक ना ट्रेक्टर और ना ही कोई पिकअप भेन, सिर्फ टेम्पू के सहारे वो भी संक्रिय गलियों के रास्ते बालू की तस्करी को अंजाम दे रहे हैं,

बताते चलें की इससे पहले भी यह अवैध बालू की तस्करी के लिये बालू तस्कर इस तरह के हथकंडे को अपनाए थे, पर उनके उस हथकंडे के बारे मे पुलिस को जानकारी पड़ गई और पुलिस ने बालू तस्करों के ऊपर कार्रवाई की और कुछ बालू लदा टेम्पो भी पकड़ा जिसके बाद कुछ दिनों के लिये बालू तस्करों ने बालू तस्करी के इस कारोबार को बंद कर दिया था, जिसके बाद करीब एक सप्ताह से बालू तस्करों ने एक बार फिर अपने इस धंधे को शुरू किया है और पुलिस के आँखों मे धूल झोंकने के लिये पुष्पा फ़िल्म के तर्ज पर अवैध बालू तस्करी के कारोबार को शुरू किया है.

आसनसोल में संगीत उत्सव का शुभारम्भ

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (आसनसोल): रवीन्द्र भवन में शुक्रवार से दो दिवसीय "आसनसोल संगीत उत्सव" शुरू हुआ। समारोह का आयोजन राज्य सरकार के सूचना एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आसनसोल संस्कृति मंच द्वारा किया गया है। प्रथम "आसनसोल संगीत उत्सव" का उद्घाटन राज्य पर्यटन विभाग के राज्य मंत्री संगीतकार इंद्रनील सेन और कानून एवं श्रम मंत्री मलय घटक ने शुक्रवार शाम दीप जलाकर किया। इस अवसर पर पश्चिम बर्दवान के जिला मजिस्ट्रेट एस. पोन्नाबलम, पश्चिम बर्दवान जिला परिषद के अध्यक्ष विश्वनाथ बाउरी, आसनसोल महकमा शासक (सदर) विश्वजीत भट्टाचार्य, आसनसोलके उप मेयर अभिजीत घटक और मेयर परिषद गुरदास उर्फ रॉकेट चट्टोपाध्याय भी उपस्थित थे।

मंत्री इंद्रनील सेन ने कहा, पिछले विधानसभा सत्र में मंत्री मलय घटक ने मुझसे यह देखने के लिए कहा था कि क्या आसनसोल में संगीत समारोह का आयोजन किया जा सकता है. फिर मैंने चर्चा की और मलय घटक से दो दिवसीय आसनसोल संगीत समारोह आयोजित करने के लिए कहा। इस दो दिवसीय महोत्सव में कोलकाता के अलावा स्थानीय कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच मिलेगा. मुझे उम्मीद है कि इसके जरिए भविष्य में अच्छे कलाकार तैयार होंगे.'

उन्होंने यह भी कहा कि यह पहली बार है कि बाल फिल्म महोत्सव आसनसोल में होने जा रहा है. यह 21, 22 और 23 मार्च को होगा. इसका प्रायोजक राज्य सूचना एवं संस्कृति विभाग का शिशु किशोर अकादमी है. राज्य सरकार की पहल पर पूरे बंगाल में हर साल चार बाल फिल्म महोत्सव आयोजित किये जाते हैं। कोलकाता और सिलीगुड़ी में एक-एक शेष दो अन्य जिलों में हैं। इस वर्ष उनमें से एक आसनसोल में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बाल फिल्म महोत्सव 18 साल से कम उम्र वालों के लिए है. यानी ये वोटर नहीं हैं. आगामी लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कोई वोट नहीं देगा. इसलिए इससे यह साबित होता कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सब कुछ राजनीति या वोट पाने के लिए नहीं करतीं।

मंत्री मलय घटक ने आसनसोल संगीत महोत्सव और बाद में आसनसोल में तीन दिवसीय बाल फिल्म महोत्सव आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और मंत्री इंद्रनील सेन को धन्यवाद दिया।

आयोजकों ने कहा कि दो दिवसीय आसनसोल संगीत समारोह में इंद्रनील सेन, श्रीराधा बंद्योपाध्याय, मोनोमोय भट्टाचार्य, तृषा पडुई, सुजॉय भौमिक, अरित्रा दासगुप्ता और ऋतिक रॉय सहित स्थानीय कलाकार शामिल होंगे।

आईएसपी बर्नपुर के रिवरसाइड टाउनशिप में प्रारंभ हुआ पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (बर्नपुर): इस्को स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने बर्नपुर रिवरसाइड टाउनशिप में पहला पाइप्ड नेचुरल गैस (पी एन जी) कनेक्शन का उद्घाटन किया। यह पहल स्वच्छ, सस्ता, सुरक्षित और सुविधाजनक ऊर्जा समाधान की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वरिष्ठ अधिकारियों तथा रिवरसाइड टाउनशिप के निवासियों की उपस्थिति में उन्होंने इंडियन ऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित डी-कंप्रेशन यूनिट (डीसीए) का वाल्व चालू कर इस अत्याधुनिक ईंधन वितरण प्रणाली का शुरुआत किया। इसके बाद, उन्होंने रिवरसाइड टाउनशिप के एक घर का दौरा किया और नेचुरल गैस पाइपलाइन के माध्यम से जुड़े उस घर के रसोई के गैस बर्नर को जलाकर इस प्रणाली का औपचारिक शुभारंभ किया।

इसे सबसे सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती ईंधन बताते हुए, दासगुप्ता ने कहा कि यह सेल के किसी भी टाउनशिप में पहली बार शुरू की गई पहल है, और भविष्य में सभी सेल टाउनशिप को धीरे-धीरे पाइप्ड नेचुरल गैस से जोड़ा जाएगा।

इंडियनऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड के एसेट हेड सुवोजीत चक्रवर्ती ने सबों को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह कम कार्बन उत्सर्जन वाला ईंधन है, जो पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा समाधानों की वैश्विक आवश्यकता के अनुरूप है। बर्नपुर के रिवरसाइड टाउनशिप में पाइप्ड नेचुरल गैस इंफ्रास्ट्रक्चर को इंडियन ऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है।

यह कार्य पेट्रोलियम और नेचुरल गैस विनियामक बोर्ड (पी एन जी आर बी) द्वारा पूर्व बर्धमान और पश्चिम बर्धमान जिलों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बनाने, संचालित करने और विकसित करने के मद्देनजर किया गया है।

यह पहल सेल की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है और टाउनशिप के निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सेल और इंडियनऑयल अदानी गैस प्राइवेट लिमिटेड के बीच यह सफल साझेदारी स्वच्छ और हरित ऊर्जा समाधान को प्राथमिकता देने की साझा दृष्टि को दर्शाती है।

डीवीसी थर्मल पावर प्लांट के बाहर विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (पुरुलिया): आरटीपीएस लैंड लूजर्स एसोसिएशन ने अब पुरुलिया जिले के राघनाथपुर में डीवीसी थर्मल पावर प्लांट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। कथित तौर पर, ये सभी स्थानीय लैंड लूज़र्स लोग हैं। वे लंबे समय से श्याम ट्रांसपोर्टर नामक कंपनी के माध्यम से फैक्ट्री के अंदर राख बांध पर मशीनरी वाहन और पानी के टैंकर की आपूर्ति कर रहे थे। लेकिन अचानक श्याम ट्रांसपोर्टर नामक कंपनी ने अपना काम बंद कर दिया और उनकी जगह उन्होंने बाहर से गाड़ियां मंगवाईं और काम शुरू कर दिया और इसी घटना के विरोध में आरटीपीएस लैंड लूजर्स एसोसिएशन के सभी बेरोजगार सदस्यों ने गुरुवार को फैक्ट्री के साइलो गेट के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि उन्हें शीघ्र ही नौकरी पर नहीं रखा गया तो वे श्याम ट्रांसपोर्टर के खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वे कारखाना के खिलाफ जाने को मजबूर होंगे।

आईएसपी ने सीएसआर के तहत 13 महिलाओं को वितरित किया पिंक ई-रिक्शा

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (बर्नपुर): इस्को स्टील प्लांट, बर्नपुर के आस पास रहने वाली तेरह वंचित महिलाएं अपनी सशक्तिकरण की कुंजी पाकर उत्साहित थीं क्योंकि आईएसपी के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग ने हरेक को एक गुलाबी ई-रिक्शा (टोटो) देकर उन्हें स्थायी आजीविका का अवसर प्रदान किया।

आईएसपी के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने स्पोर्ट्स हाउस परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों की मौजूदगी में इन 13 महिलाओं को उनके ई रिक्शा की चाबियां सौंपी। इन लाभार्थियों का चयन आईएसपी एससी-एसटी वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आस पास रह रहे अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति महिलाओं में से सावधानीपूर्वक किया गया, ताकि सहायता सही जरूरतमंदों तक पहुंचे।

इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (एचआर) उमेंद्र पाल सिंह ने कहा कि इन पिंक ई-रिक्शों का वितरण महिला लाभार्थियों की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे वे सम्मानजनक आजीविका कमा सकेंगी और अपने परिवारों के कल्याण में योगदान देंगी।

मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) जितेंद्र कुमार ने कहा कि यह पहल सेल-आईएसपी की सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता और क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देने की उसकी निष्ठा को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम का समन्वय सीएसआर टीम ने किया, जिसमें एजीएम (एचआर) पवन कुमार सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर) अभिषेक शौर्य शामिल थे।

"पिंक टो टो" आर्थिक और सामाजिक उत्थान के उपकरण के रूप में कार्य करते हैं। यह पहल स्व-रोजगार के माध्यम से महिलाओं को स्थायी आजीविका कमाने में सक्षम बनाते हुए वित्तीय स्वतंत्रता का मार्ग प्रदान करती है। बेहतर गतिशीलता उन्हें बाजार, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा तक पहुंचने की सुविधा देती है जिससे महिलाओं के सामाजिक दर्जे को बढ़ाती है और आत्मनिर्भरता की भावना को मजबूत करती है।

पहल का उद्देश्य गरीबी के चक्र को तोड़ना और समानता को बढ़ावा देना है। सेल-आईएसपी का यह प्रयास वास्तविक बदलाव लाकर महिलाओं को एक बेहतर भविष्य के लिए सशक्त बना रहा है।

सुप्रसिद्ध अधिवक्ता शेखर कुंडू को सम्मानित किया जाएगा

दलजीत सिंह

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (रानीगंज): शेखर कुंडू एक प्रसिद्ध अधिवक्ता हैं, जिन्होंने अपने जीवन में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। कोलकाता हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता के रूप में उनका सुनाम है।

नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन पश्चिम बंगाल राज्य के अध्यक्ष विमल देव गुप्ता एवं सुरक्षा के अध्यक्ष सरदार दलजीत सिंह ने बताया कि सीनियर अधिवक्ता शेखर कुंडू जी को सम्मानित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

शेखर कुंडू ने अपने कानूनी करियर में कई महत्वपूर्ण मामलों में प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने कई उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय में मामलों की पैरवी की है। उन्हें अपनी विशेषज्ञता और अदालत में अपनी प्रभावी पैरवी के लिए जाना जाता है।

शेखर कुंडू ने समाज सेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कई सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम किया है और जरूरतमंद लोगों की मदद की है। उन्हें उनके समाज सेवा कार्यों के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

शेखर कुंडू ने अपने जीवन में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्हें उनकी विशेषज्ञता और अदालत में उनकी प्रभावी पैरवी के लिए जाना जाता है। उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें "सर्वश्रेष्ठ वकील" पुरस्कार भी शामिल है।

तस्करी से पहले फिर बरामद हुआ गांजा

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (आसनसोल): शुक्रवार की दोपहर को गुप्त सूचना के आधार पर आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के डीडी विभाग और आसनसोल साउथ थाने की पुलिस ने तस्करी के लिए ले जाए जा रहे 10 किलो गांजा जब्त किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आसनसोल के कुमारपुर इलाके में जीटी रोड स्थित मनोज सिनेमा हॉल के पास पुलिस ने छापेमारी की, जहां एक स्कूटी पर एक बैग में 10 पैकेट में 10 किलो गांजा की तस्करी की जा रही थी। इस मामले में एक युवती समेत तीन लोगों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों के नाम

जमुरिया थाना अंतर्गत बटाला नामोपारा निवासी अनिल कुमार सिंह, जमुरिया के बोगराचट्टी निवासी नेहा अधिकारी और कुल्टी के शिमुल ग्राम निवासी अरुणेश चौधरी हैं। गिरफ्तार व्यक्तियों को शनिवार को आसनसोल अदालत में पेश किया जाएगा और पुलिस उनकी हिरासत के लिए आवेदन करेगी।

आसनसोल दक्षिण थाने की पुलिस और डीडी विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कहां से लाया जा रहा था और कहां ले जाया जा रहा था। पुलिस को संदेह है कि इस गांजा तस्करी में एक बड़ा गिरोह शामिल है। संयोगवश, कुछ दिन पहले ही 10 लोगों को लगभग 1 क्विंटल गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया था।

ईसीएल अधिकारियो की लापरवाही से क्षुब्द ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (बाराबनी): फरीदपुर आदिवासी पाड़ा में 1 साल पहले ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की तरफ से एक सबमर्सिबल पंप लगाया गया था, लेकिन उसमें बिजली का कनेक्शन नहीं किया गया था. आज स्थानीय आदिवासी मोहल्ला के महिलाओं और पुरुषों ने जाकर ओसीपी के सामने विरोध प्रदर्शन किया. इसके बाद ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के अधिकारी और कोलियरी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने आश्वासन दिया कि 2 दिन के अंदर वह पंप चालू हो जाएगा।

इस बारे में जब हमने स्थानीय महिलाओं से बात की तो उन्होंने कहा कि आज 1 साल से उन्हें पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है. यहां पर सबमर्सिबल पंप तो लगाया गया है, लेकिन बिजली का कनेक्शन नहीं किए जाने की वजह से वह पंप बेकार पड़ा है. कई बार यहां के अधिकारियों के अनुरोध किया गया है. कोई सुनवाई नहीं की तो आखिरकार उन्होंने यहां विरोध प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि बहुत जल्द पंप चालू हो जाएगा।

वहीं बाराबनी पंचायत समिति अध्यक्ष असित सिंह ने कहा कि यहां पर ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की तरफ से 1 साल पहले सबमर्सिबल पंप लगाया गया था, लेकिन बिजली का बिल कौन देगा इसे लेकर ऊहापोह की स्थिति बनी हुई थी। लेकिन अब क्योंकि गर्मी का मौसम आने वाला है पानी की समस्या भी हो रही है. इसलिए बुधवार को एक बार फिर से ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अधिकारियों के साथ बैठक होगी और इसका समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी.

दूसरी तरफ जब हमने इस ओसीपी के मैनेजर रमेश चंद्र मीणा से बात की तो उन्होंने कहा कि एक साल पहले ही कंपनी द्वारा यहां पर सबमर्सिबल पंप लगाया गया था, लेकिन अब बिजली का कनेक्शन नहीं होने की वजह से यह चालू नहीं हुआ था. आज कुछ लोग आए थे. जिन्होंने इसे चालू करने की मांग की. उन्होंने बताया कि आज ग्रामीणों को केवल दे दिया गया है और बहुत जल्दी पंप चालू हो जाएगा.

दुर्गापुर में खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (दुर्गापुर): खादी ग्रामोद्योग भवन की पहल पर गुरुवार दोपहर दुर्गापुर शहर में एक विशेष खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त ए.के. आजाद इस्लाम, सिटी सेंटर के ओसी सुदीप विश्वास, बंगाल फेडरेशन ऑफ सर्टिफाइड खादी इंस्टिट्यूशंस के महासचिव नित्यानंद चौधरी और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। नित्यानंद चौधरी ने कहा कि यह खादी प्रदर्शनी 6 मार्च से 12 मार्च तक आयोजित की जाएगी। इस वर्ष 25 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां विभिन्न प्रकार के खादी के कपड़े और फैब्रिक उपलब्ध होंगे। उन्हें पूरी उम्मीद है कि आम लोग यहां आएंगे।

शेरशाह बाबा के मजार पर लगने उर्स को लेकर तैयारियां शुरू

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (नियामतपुर): आसनसोल नगरनिगम के 105 नंबर वार्ड के तहत डिसरगढ़ पीरस्थान स्थित शेरशाह बाबा (पीरबाबा) के मजार पर लगने वाले सालाना उर्स को लेकर जोरों से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रति वर्ष यह उर्स 19 मार्च को आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर मेले का भी आयोजन किया जाता है।

जानकारी के अनुसार करीब 100 वर्षों पूर्व यहां उर्स का आयोजन तत्कालीन स्थानीय लोगों ने शुरू किया था। तभी से यह परंपरा चलती आ रही है। उर्स को लेकर निगम के सफाई कर्मी उग आए झाड़ियों एवं जहां तहां जमा कचड़ों की सफाई करने में जुटे हैं। जबकि खादिम अन्य व्यवस्थाओं में लगे हैं।

एनएसएचएम का भव्य चार दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम का समापन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (दुर्गापुर): पश्चिम बर्दवान जिले के दुर्गापुर स्थित एनएसएचएम प्रांगण में बहुयामी चार दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता, संस्कृत, एवं फूड फेस्ट ब्लिट्ज 2025 का भव्य एवं यादगार समापन हुआ. इन चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान एनएसएचएम सहित राज्य के 38 कॉलेज एवं नौ स्कूलों के प्रतिभावान खिलाड़ियों ने भाग लिया. इस वर्ष 11 तरह की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी. जिनमें वॉलीबॉल, कैरम, बैडमिंटन आदि खेल शामिल थे. वही बॉडीबिल्डिंग में भी छात्रों का उत्साह देखने लायक था. इसके अलावा फैशन शो के मंच पर भी छात्र व छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का जलवा दिखाया. इस प्रतियोगिता का शुभारंभ 19 तारीख को गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में की गई थी. जिसका समापन 22 फरवरी की शाम फूड फेस्ट के सुसज्जित आयोजन के साथ संपन्न हुआ.

फुट फेस्ट के कार्यक्रम में राज्य के मंत्री प्रदीप मजूमदार, अड्डा के चेयरमेन कवि दत्ता, के अलावा दिलीप सिंह मेहता, ट्रस्टी ट्रस्टी बोड के फ्रांसिस एंथोनी, डायरेक्टर, डॉ आलोक सत्संगी, प्रिंसिपल डॉ मिलिंद , के अलावा अन्य कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे. इस फूड फेस्ट में भी छात्रों ने एक से बढ़कर एक व्यंजन बना अतिथियों को शाही अंदाज में पड़ोसा जिसे आए अतिथियों ने भी खूब सराहा.

इस पूरे कार्यक्रम के विषय में प्रोफेसर डॉक्टर आलोक सत्संगी ने बताया इस चार दिवसीय कार्यक्रम का सफल आयोजन के पीछे छात्रों का बहुत बड़ा श्रेय है उन्होंने काफी मेहनत की है. खेल प्रतियोगिता के माध्यम से भी और नए प्रतिभावान खिलाड़ी सामने आए हैं. मुझे उम्मीद है यह कार्यक्रम अगले वर्ष और नए कलेवर में प्रस्तुत की जाएगी.

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस को ले शताक्षी महिला मंडल ने बालिका विद्यालय में किया जागरूकता कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (पांडवेश्वर): शताक्षी महिला मंडल वेलफेयर एसोसिएशन, डिशरगढ़ ईसीएल ऑफिसर्स वाइव्स सोसायटी के अंतर्गत, पांडवेश्वर शाखा की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर रखाचंद्र बालिका विद्यालय में कैंप का आयोजन किया गया.

जिसमें काउंसिल और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. पांडवेश्वर शाखा की अध्यक्षा कोयल भट्टाचार्य ने बताया कि हमारी ईसीएल अध्यक्षा किरण झा, उपाध्यक्षा जीरक आलम, संचिता रॉय, अनुभा सिन्हा के मार्गदर्शन और दिशा निर्देश पर सभी शाखाओं की शताक्षी महिला मंडल अपनी सामाजिक दायित्व के तहत कार्य करती है और सभी को सामग्री के साथ मदद करने और शिक्षा के दिशा में भी कार्य करती आ रही है, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आज राखाचन्द्र बालिका विद्यालय में काउंसलिंग एंड अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया,

इस कैम्प के माध्यम से बच्चों को आने वाले भविष्य में क्या चीज की तैयारी करनी चाहिए और किस क्षेत्र में भविष्य बनाना है, उस पर व्याख्यान दिया गया, और साथ ही साथ बाल विवाह, बाल उत्पीड़न, अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श के बारे में जानकारी दिया गया, अंत में इस कैंप के माध्यम से क्या-क्या जानकारी दी गई है, उसको लेकर एक क्विज कंपटीशन भी हुआ, जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार दिया गया,

इस कार्यक्रम में 40 छात्राओं ने भाग लिया, सभी छात्राओं को ज्योमेट्री बॉक्स, सेनेटरी नैपकिन और चॉकलेट्स दिया गया, शताक्षी महिला मंडल पांडवेश्वर शाखा की ओर से रखाचंद्र बालिका विद्यालय को 5 सीलिंग फैन भी दिया गया,

कार्यक्रम के अंत में स्कूल की प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने शताक्षी महिला मंडल पांडवेश्वर की टीम के प्रति आभार जताया,

इस अवसर पर शिप्रा जाना, सईदा हस्नेरा, सोनाली दास, रजिया फातिमा, डाक्टर शताब्दी घोष, किरण माहिच, तानिया मंडल, कावेरी आचार्य आदि उपस्थित थी.

महिला दिवस की पूर्व संध्या पर झांझरा क्षेत्र की महिला कर्मियों ने दिखाया कौशल

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (पांडवेश्वर): झांझरा क्षेत्र, ईसीएल ने अपने समर्पित महिला कर्मचारियों की उपलब्धियों, तन्यकता और शक्ति का सम्मान करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का गौरवपूर्वक जश्न मनाया, इस अवसर पर झांझरा क्षेत्र के महाप्रबंधक आर. सी. महापात्रा ने महिला कर्मचारियों को अधिक से अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया, कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दुर्गापुर सेशिनकाई कराटे एसोसिएशन की द्वितीय डीएएन ब्लैक बेल्ट और कराटे प्रशिक्षक सेंसई अंबिका चौधरी के नेतृत्व में एक विशेष आत्मरक्षा प्रदर्शन आयोजन था, जिसमें महिलाओं को व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल से सशक्त बनाया गया, इसके अलावा, महिला कर्मचारियों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का आयोजन किया गया, डॉ. रतन कुमार सरकार, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी ने प्रसव, स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, रजोनिवृत्ति और रजोनिवृत्ति के बाद के मुद्दों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यावहारिक स्वास्थ्य वार्ता किया, उन्होंने स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के बारे में जागरूकता भी बढ़ाई, जिसमें शुरुआती पहचान के तरीकों पर जोर दिया गया, सत्र के बाद समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए उच्च रक्तचाप और मधुमेह का परीक्षण किया गया , कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 पर सुश्री पोपी गोगोई, सहायक प्रबंधक (कार्मिक) द्वारा एक संवादात्मक सत्र भी दिया गया, जिसका उद्देश्य महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना था, महिला दिवस की भावना को आगे बढ़ाते हुए झांझरा क्षेत्र में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने नृत्य प्रदर्शन, कविता पाठ और समूह गीतों के माध्यम से अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे महिला दिवस और भी यादगार बन गया, इस अवसर पर क्षेत्र के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे,

ईसीएल ने उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (सांकतोड़ीया): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के डिशरगढ़ क्लब, संकटोडिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जहाँ ईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों और विभागों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने नारीत्व की भावना का सम्मान करने के लिए एक साथ आए। इस कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मानित किया गया, उनके योगदान और उत्कृष्टता को स्वीकार किया गया। महिला कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने उत्सव में जीवंतता ला दी।

ईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति में महिलाओं को हमेशा से ही सम्मान दिया जाता रहा है और उन्हें उच्च स्थान दिया गया है।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए टीम वाइव्स को बधाई दी। ईसीएल के निदेशक (वित्त) मो. अंजार आलम ने लोगों को लैंगिक अंतर को दूर करने और समावेशी कार्यस्थल के लिए एक-दूसरे का समर्थन करने के लिए सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक (तकनीकी) नीलाद्रि रॉय ने लैंगिक समानता के महत्व पर बल दिया तथा टीम को अपने सराहनीय प्रयास जारी रखने के लिए प्रेरित किया। ईसीएल के निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे ईसीएल की नीतियों को लगातार लैंगिक समावेशिता और कार्यबल में महिलाओं के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ईसीएल की मुख्य सतर्कता अधिकारी दीप्ति पटेल, जो ईसीएल में एक महिला द्वारा धारण किए गए सर्वोच्च पद का प्रतिनिधित्व करती हैं, ने महिलाओं के उत्थान और एक-दूसरे को सशक्त बनाने के महत्व के बारे में बात की। ईसीएल की वाइव्स समन्वयक भाविनी त्रिपाठी ने इस वर्ष की वैश्विक कार्रवाई के आह्वान पर प्रकाश डालते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2025 की थीम और अभियान थीम प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, ईसीएल मुख्यालय की उप सीएमओ डॉ. प्रियंका चक्रवर्ती द्वारा 'महिलाओं में जीवनशैली संबंधी बीमारियों' पर एक स्वास्थ्य वार्ता सत्र दिया गया, जिसमें निवारक स्वास्थ्य सेवा, कल्याण और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने में प्रारंभिक पहचान के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। शताक्षी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती किरण झा ने महिला सशक्तिकरण पर गहन संदेश देकर प्रतिभागियों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया।

ईसीएल महिलाओं के लिए एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, सभी क्षेत्रों में उनके अमूल्य योगदान को मान्यता देता है। यह आयोजन एक शानदार सफलता थी, जो कंपनी के लैंगिक समानता और सशक्तिकरण में समर्पण को दर्शाता है।

आज का राशिफल

08 मार्च 2025
शनिवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफील्ड मिरर

मेष
दिन अनुकूल नहीं रहेगा. जटिल मामलों में समस्याए आएंगी. बिजनेस में किसी तरह की लापरवाही ना करे. जल्दबाजी में कोई निर्णय लेना आपके लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है. कार्यस्थल पर काम का बोझ रहेगा. विवाद से बचे.

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा. सकारात्मक सोच से व्यवसाय में वृद्धि होगी. कार्यस्थल पर वरिष्ठों का सहयोग और सराहना मिलेगी. नौकरी में स्थानांतरण हो सकता है. दांपत्य जीवन की समस्याओं का समाधान होगा. सामाजिक स्तर पर पहचान बढ़ेगी.

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा. पुरानी बीमारियों से राहत मिलेगी. व्यावसायिक कार्यो से विदेश यात्रा कर सकते हैं. नौकरी में सम्मानित हो सकते हैं. कार्यस्थल पर दिन अनुकूल रहेगा. आपका स्वभाव दांपत्य जीवन में बड़ी परेशानी पैदा कर सकता है.

कर्क
दिन उत्तम रहेगा. संतान से सुख में वृद्धि होगी. यस और पराक्रम बढेगा. आपकी व्यवहारकुशलता की सराहना होगी. कार्यस्थल पर काम का दबाव कम होगा. जीवनसाथी से अनबन चल रही है तो वह सुलझ सकती है. सेहत का ध्यान रखे.

सिंह
दिन मिलाजुला रहेगा. स्वास्थ्य खराब हो सकता है. व्यापार में ऑर्डर समय पर पूरा करने में आपको अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा. पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतनी चाहिए. दांपत्य जीवन में आपके और रिश्ते खराब हो सकते हैं.

कन्या
दिन बढ़िया रहेगा. मित्रों की मदद कर सकते हैं. कारोबार में खूब लाभ मिलेगा. नौकरी में सफलता मिलेगा. परिवार में सुकून भरा माहौल रहेगा. दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी. आपको अपनी वाणी और जिद्दी स्वभाव पर नियंत्रण रखना होगा.

तुला
दिन सामान्य रहेगा. लेन-देन के मामले में सावधानी बरतें. नए ऑफर आने से कारोबार में बढ़ोतरी होगी. कार्यक्षेत्र में आ रही छोटी-छोटी परेशानियों से पार पाकर आगे बढ़ेंगे. परिवार में विवाद खत्म होगी. जीवनसाथी के कारन तनाव में रहेंगे.

वृश्चिक
दिन बढ़िया रहेगा. मन शांत और प्रसन्न रहेगा. कारोबार में नए ऑर्डर मिल सकते हैं. नयी कारोबार शुरू करने की योजना भी बना सकते हैं. किसी महत्वपूर्ण काम की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है. जीवनसाथी के साथ बेहतर समय बिताएंगे.

धनु
दिन मिलाजुला रहेगा. नए संपर्कों के कारण नुकसान हो सकता है. निवेश करने से पहले शोध अवश्य कर लें. व्यावसायिक मामलों में किसी भी प्रकार का जोखिम न लें. लेनदेन के मामले में सतर्क रहें. किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई हो सकती है.

मकर
दिन उत्तम रहेगा. कारोबार में लाभ बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे. बिजनेस में आपको नए ऑफर मिल सकते हैं. कार्यस्थल पर टीम वर्क ही आपकी सफलता का राज बनेगा. परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा. लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखना चाहिए.

कुंभ
दिन सामान्य रहेगा. नौकरी में कुछ बदलाव होंगे. साझेदारी के व्यवसाय में नुकसान का सामना करना पड़ेगा. बेरोजगार के लिए नौकरी के नये रास्ते खुल सकते हैं. उच्च अधिकारियों से पूरा सहयोग मिलेगा. मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा पर जा सकते है.

मीन
दिन शानदार रहेगा. भाग्य आपका साथ देगा. कारोबार में तेजी आएगी. पुराना कर्ज चुका पायेगे. कार्यवश यात्रा करनी पड़ सकती है. नौकरी क्षेत्र में सम्मानित किया जा सकता है. परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी. स्वास्थ्य में पहले से सुधार होगा.

मुख्यमंत्री ने महिला विधायकगणों से कहा- झारखंड विधानसभा में आपकी उपस्थिति मात्र से ही नारी शक्ति को मिलता है बल

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची/ मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में झारखंड विधानसभा की महिला सदस्यगणों (विधायक) ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी महिला मंत्री एवं विधायकगणों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड विधानसभा में आपकी उपस्थिति मात्र से ही नारी शक्ति को बल मिलता है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, आप सभी सदन में महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण की आवाज हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधी आबादी की भागीदारी से ही देश, राज्य और समाज के सर्वांगीण विकास का रास्ता खुलता है। हमारी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में झारखंड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना जैसी कई योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को सशक्त बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात का गर्व है कि झारखंड की महिलाओं ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल समेत अनेकों क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल कर राज्य का नाम रोशन किया है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर रही हैं। महिलाएं अपने मंजिल और मुकाम को हासिल करने में कामयाब हों, इसके लिए सरकार पूरा सहयोग करने को तैयार है। एक बार फिर आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बहुत-बहुत बधाई।

इस अवसर पर मंत्री दीपिका पांडेय, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक डॉ नीरा यादव, विधायक लुइस मरांडी, विधायक सविता महतो, विधायक रागिनी सिंह, विधायक ममता देवी, विधायक पूर्णिमा दास साहू, विधायक श्वेता सिंह और विधायक मंजू कुमारी मौजूद थीं।

ब्राउन शुगर तस्करी में संलिप्त झारखंड पुलिस का जवान धराया

जल्द ही सासाराम की 'भाभी जी' का भी खेल खत्म कर देंगे- डीएसपी

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची/ गोंदा थाना की पुलिस ने नशे का गंदा धंधा करने वालों को तीखी चोट दी है। ब्राउन शुगर तस्करी करने के इल्जाम में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम रमीज रजा, राजा साहा और सुजीत कुमार बताये गये। इनके पास से 11.27 ग्राम ब्राउन शुगर, दो लाख रुपये से ज्यादा कैश, दो मोबाइल फोन, दो एटीएम कार्ड और वजन करने वाला एक छोटा डिजिटल तराजू जब्त किया गया है। पुलिस का माथा तब चकरा गया जब उन्हें पता चला कि इन तस्करों में से एक रमीज रजा झारखंड पुलिस का जवान है। वह जैप का सिपाही है। इस बात का खुलासा आज रांची के कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने किया।

डीएसपी प्रकाश सोय ने मीडिया को बताया कि बीते पांच मार्च को गोंदा थाना से एसआई अमन राज को इंफॉर्मेशन मिली कि एक स्कूटी से ब्राउन शुगर की तस्करी होने वाली है। दो लोग ब्राउन शुगर लेकर धावननगर से गांधीनगर की तरफ जाने वाले हैं। मिली इंफॉर्मेशन के बारे में एसआई अमन राज ने आला अधिकारियों को बताया। डीआईजी सह रांची पुलिस कप्तान ने कोतवाली डीएसपी को आगे का टास्क सौंपा। डीएसपी सोय की देखरेख में टीम गठित की गयी। धवननगर चौक पर नाकेबंदी की गयी। इसी दरम्यान एक स्कूटी पर सवार दो लोग धावननगर से गांधीनगर की तरफ आते दिखाई दिये। पुलिस ने उन्हें रोक लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास 5.66 ग्राम ब्राउन शुगर, मोबाइल और 15 हजार 800 रुपये कैश जब्त किये गये। वहीं, दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

डीएसपी प्रकाश सोय ने जब कड़ा रुख अख्तियार किया तो दोनों तस्कर फटाफट राज उगलने लगे। रमीज रजा ने बताया कि वह जैप में बतौर सिपाही पोस्टेड है। राजा साह ने बताया कि वे लोग ब्राउन शुगर सुजीत कुमार के पास से लाते है और ग्राहकों को बेच देते हैं। सुजीत का घर धावननगर के ओमनगर में है। रमीज और राजा की निशानदोही पर पुलिस ने सुजीत के ठिकाने पर रेड मारी और उसे भी दबोच लिया। वहीं, उसके घर से पुलिस ने 5.61 ग्राम ब्राउन शुगर और एक लाख 98 हजार 420 रुपये कैश बरामद किया। यह रकम ड्रग्स की तस्करी कर बटोरे गये थे। इन लोगों ने पुलिस को बताया कि सासाराम से ब्राउन शुगर लाकर रांची के अलग-अलग इलाकों में ग्राहकों को बेच देते हैं। डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि बहुत जल्द सासाराम की 'भाभी जी' का भी खेल खत्म कर देंगे।

ड्रग्स तस्करी के गंदे धंधे में शामिल इन तस्करों को दबोचने में कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, ट्रेनी डीएसपी दशरू बान सिंह, गोंदा थानेदार अभय कुमार सिन्हा, एसआई अमन राज, एएसआई रामेश्वर हांसदा और सिपाही मंगलेश्वर उरांव की भूमिका सराहनीय रही।

सीएफएम संक्षिप्त

पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने झारखंड के श्रम मंत्री से मुलाकात की

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची/ झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पूर्व विधायक (झरिया) पूर्णिमा नीरज सिंह ने झारखंड के श्रम मंत्री संजय कुमार यादव से मुलाकात किया। मुलाकात के क्रम में श्रीमती सिंह ने मंत्री से झरिया के निबंधित मजदूरों को जल्द ई श्रम कार्ड मुहैया करवाने, औजार कीट योजना का लाभ देने सहित झरिया में बेरोजगार युवक /युवतियों को रोजगार उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से विशेष कैंप लगा कर ऑन स्पॉट ऑफर लेटर देने का प्रस्ताव रखा। मंत्री ने पूर्व विधायक के प्रस्ताव पर सहमति जताई और विधानसभा सत्र समाप्त होने के पश्चात झरिया में कार्यक्रम करने का भरोसा दिया।

धनबाद रेलवे प्रेक्षागृह में महिला सशक्तिकरण सेमिनार का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज धनबाद मंडल में पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद एवं कार्मिक शाखा, धनबाद द्वारा रेलवे प्रेक्षागृह, धनबाद में महिला सशक्तिकरण सेमिनार का आयोजन किया गया । इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद की अध्यक्षा श्रीमती गरिमा सिन्हा द्वारा महिला कर्मियों को उत्साहवर्धन हेतु पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन, धनबाद की अन्य सदस्य एवं मंडल के कर्मचारी उपस्थित थे।

विधि-व्यवस्था पर गंभीर सवाल

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची/ चान्हो स्थित एक आश्रम में डबल मर्डर की घटना के दो दिन के भीतर रांची में दिनदहाड़े कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमला से विधि-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामला आज सदन में भी गूंजा। इस बीच विधानसभा आए सूबे के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि कोयला कारोबारी बिपिन मिश्रा पर हमला करने वाले की पहचान हो गई है। जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

आरएसपी कॉलेज के नए भवन निर्माण कार्य का मामला

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): शुक्रवार को झरिया विधायक रागिनी सिंह ने सदन में आरएसपी कॉलेज के नए भवन निर्माण कार्य को निविदा प्रक्रिया कर जल्द से जल्द पूरा किए जाने का मामला उठाते हुए अपनी बातों को सदन के समक्ष रखते हुए कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार में पूर्व विधायक संजीव सिंह के सार्थक प्रयास से कॉलेज के नए भवन निर्माण कार्य को स्वीकृति भी मिल गई लेकिन अभी तक कार्य धरातल पर नहीं दिखाई पड़ता मै क्षेत्र के बच्चों के बेहतर भविष्य और अच्छी शिक्षा व्यवस्था के लिए कॉलेज भवन निर्माण कार्य की निविदा प्रक्रिया को पूरा कर कॉलेज भवन निर्माण कार्य को जल्द से जल्द शुरू किए जाने की मांग करती हूँ।

अनियंत्रित होकर डाक पार्सल वाहन पलटा

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): मधुबन थाना क्षेत्र अंतर्गत राजगंज- बोकारो फोर लेन सड़क मार्ग के सिनिडीह काटा के समीप अहले सुबह-सुबह लगभग 5.00 बजे डाक पार्सल चार पहिया वाहन संख्या JH01 BT 9880 अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई । हलाकी की इस दुर्घटना मे जान माल की छति नही हुई है। यहा तक की वाहन चालक को भी एक खरोंच तक नही आई है। घटना के संबंध में वाहन चालक जेना मोड कसवार निवासी परमेश्वर हेब्रम ने बताया की ब्रेक लगाने के कर्म वाहन दाहिना साइड की ओर आचानक खिंचाव होने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। चालक ने बताया की राँची से पार्सल दुर्गापूर ले जाने के कर्म मे ये घटनाक्रम हो गई है चालक ने खुद फोन कर के क्रेन वाहन को मौके पर बुलाकर वाहन सिधा कर लिया। खबर लिखे जाने समय तक मधुबन पुलिस को कोई शिकायत नही दी गई थी।

कतई बर्दाश्त योग्य नहीं खनन संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा- उपायुक्त

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को न्यू टाउन हॉल में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि खनन से संबंधित विधि-व्यवस्था का मुद्दा कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर थाना प्रभारी और अंचल अधिकारी संयुक्त रूप से जवाबदेही होंगे। बीसीसीएल भी सतर्क रहे और यह सुनिश्चित करें कि अवैध खनन को लेकर जिले में विधि व्यवस्था नहीं बिगड़े। अवैध खनन रोकने में थाना और अंचल को सहयोग करें। अवैध खनन के कारण होने वाली घटना की विस्तार से जांच करें। जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई करें।

उपायुक्त ने कहा कि कुछ लोग जीएसटी का दुरुपयोग कर अवैध खनन को बढ़ावा दे रहे हैं। जिस कारण सरकार को राजस्व की हानी होती है। इस दिशा में सभी सतर्क रहे। बीसीसीएल भी इसमें सक्रिय रुप से सहभागिता सुनिश्चित करें।

वहीं उपायुक्त ने हर महीने स्थानीय स्तर पर थाना, अंचल, बीसीसीएल तथा सीआइएसएफ को बैठक कर क्षेत्र के ज्वलंत मामलों पर चर्चा कर समाधान करने का निर्देश दिया। साथ ही अवैध खनन में संलिप्त के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा इंटेलिजेंस फैलियर न हो, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में सिटी एसपी अजीत कुमार ने कहा कि कोयले का खनन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। विधि व्यवस्था बिगाड़ने के लिए कई असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। उन्होंने ऐसे तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

साथ ही खनन क्षेत्र में वैध एवं अवैध रूप से रह रहे लोगों की जानकारी प्राप्त कर उनके संबंध में रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा। जिससे लोगों को खनन क्षेत्र से सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने की दिशा में कार्य किया जा सके तथा भविष्य में किसी तरह के हादसे से लोगों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापामारी अभियान जारी रखने, इसमें संलिप्त लोगों के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया।

ग्रामीण एसपी श्री कपिल चौधरी ने कहा कि खनन स्थल पर टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका पर त्वरित धारा 163 भा.ना.सु.सं. के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का आवेदन दे। आवेदन नहीं देना घोर लापरवाही मानी जाएगी।

बैठक में जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा ने खनिजों के अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध खनन कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

बैठक में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक) एम.के. रमैया ने कोयले के अवैध खनन के विरुद्ध की गई छापामारी, अवैध खनन के हॉटस्पॉट, अवैध खनन स्थल पर की गई डोजरिंग पर प्रकाश डाला। साथ ही कहा कि खनन स्थल पर ड्रोन द्वारा तथा सभी काटा घरों पर सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है।

बैठक में सीआईएसएफ के कमांडेंट तपन पोद्दार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएसपी मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, एसडीपीओ निरसा रजत मानेक बाखला के अलावा सभी अंचल के अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड के विभिन्न एरिया के महाप्रबंधक उपस्थित थे।

डीएमओ नहीं कर सकते डिमांड नोटिस, कंपनियों को ब्याज सहित पैसे लौटाएं- हाईकोर्ट

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची। हाईकोर्ट ने खनन कंपनियों की रॉयल्टी से जुड़े मामले में गुरुवार को फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस रामचंद्र राव व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने हिंडाल्को, सेल सहित अन्य 21 याचिकाओं पर सुनवाई के बाद खनन कंपनियों को बड़ी राहत दी।

कोर्ट ने जिला खनन पदाधिकारी (डीएमओ) के अधिकार क्षेत्र का निर्धारण करते हुए खनन कंपनियों को डिमांड के लिए जारी नोटिस को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि माइंस एंड मिनरल्स एक्ट की धारा 21 (5) में रॉयल्टी के लिए डिमांड नोटिस जारी करना डीएमओ के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता।

इसके बाद कोर्ट ने कंपनियों द्वारा जमा की गई राशि सालाना सात फीसदी ब्याज के साथ आठ सप्ताह में लौटाने का आदेश दिया। हालांकि कोर्ट ने कहा कि वह सक्षम प्राधिकार के जरिए कंपनियों को डिमांड नोटिस जारी कर सकता है।

इससे पहले सुनवाई में सरकार की ओर से कहा गया था कि सरकार डिमांड नोटिस जारी करने के लिए डीएमओ सहित किसी को भी अधिकार दे सकती है।

इस संबंध में 2005 में जारी अधिसूचना भी कोर्ट में पेश की गई थी। जबकि प्रार्थियों की ओर से एडवोकेट इंद्रजीत सिन्हा का कहना था कि अधिसूचना के मुताबिक डीएमओ को सिर्फ रॉयल्टी के आकलन का अधिकार है।

लेकिन उन्होंने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर डिमांड नोटिस जारी किया।

दिल्ली में झारखंड की महिला नक्सली गिरफ्तार, नौकरानी बनकर छुपा रही थी पहचान

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रेणुका पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरु गांव की रहने वाली है। महज 10 साल की उम्र में वह नक्सली संगठन से जुड़ गई थी। उसने कोल्हान के जंगलों में कुख्यात कमांडर रमेश के नेतृत्व में हथियारों का प्रशिक्षण लिया. झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले की वांछित महिला नक्सली रेणुका को पुलिस ने पांच साल बाद दिल्ली के पीतमपुरा इलाके से गिरफ्तार किया है। रेणुका ने अपनी पहचान छिपाकर नौकरानी के रूप में काम करते हुए पुलिस को चकमा दे रखा था। दिल्ली पुलिस ने झारखंड पुलिस के इनपुट पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे गिरफ्तार किया।

रेणुका पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुदाबुरु गांव की रहने वाली है। महज 10 साल की उम्र में वह नक्सली संगठन से जुड़ गई थी। उसने कोल्हान के जंगलों में कुख्यात कमांडर रमेश के नेतृत्व में हथियारों का प्रशिक्षण लिया था। रेणुका को इंसास राइफल, एसएलआर, एलएमजी और हथगोले चलाने में महारत हासिल थी। रेणुका वर्ष 2018 और 2020 के बीच पश्चिमी सिंहभूम के सोनुवा और पोड़ाहाट के जंगलों में हुई तीन मुठभेड़ों में शामिल थी। पुलिस के बढ़ते दबाव के बाद संगठन ने उसे दिल्ली भेज दिया। वहां उसने फर्जी दस्तावेजों के सहारे पहचान बदलकर घरेलू सहायिका के रूप में काम करना शुरू कर दिया।

झारखंड पुलिस को रेणुका के दिल्ली में छिपे होने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस के सहयोग से कई महीनों तक पीतमपुरा इलाके में रेणुका पर नजर रखी गई। मंगलवार को पुलिस ने महाराणा प्रताप एन्क्लेव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

रेणुका पर इन धाराओं हत्या का प्रयास, आपराधिक साजिश, राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ना, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम विस्फोटक अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज हैं.

पश्चिमी सिंहभूम पुलिस की टीम रेणुका को दिल्ली से लाने के लिए रवाना हो चुकी है। पुलिस की मानें तो पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। फरारी के दौरान उसे किसने शरण दी और कौन-कौन सहयोगी थे, इसका खुलासा हो सकता है।

सीएम हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर जानलेवा हमला

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): भाजपा की वरिष्ठ नेता और सीएम हेमंत सोरेन की बड़ी भाभी सीता सोरेन पर जानलेवा हमला हुआ है। पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने हमले की कोशिश की। हालांकि इस हमले में सीता सोरेन बाल बाल बचीं है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया है। कतरास में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए धनबाद पहुंची थी सीता सोरेन

मिली जानकारी के मुताबिक सीता सोरेन धनबाद के कतरास में शादी समारोह में शामिल होने के लिए धनबाद पहुंची थी इसी दौरान उनपर जानलेवा हमला हुआ। पहले से घात लगाए बैठे अपराधी के द्वारा हमला करने की कोशिश की गई। हालांकि इस हमले में सीता सोरेन बाल-बाल बच गई। घटना धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र के सोनोटेल होटल की बताई जा रही है।

हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीता सोरेन के पूर्व पीए देवाशीष घोष पर हमला करने का आरोप लगा है जिसके बाद पुलिस ने देवाशीष घोष को हिरासत में लिया है। हालांकि हमला किस कारण हुआ इसका खुलासा नहीं हो पाया है। मामले में पुलिस की टीम जांच में जुट गई है.

कुख्यात मयंक सिंह ने ली रांची में कोयला कारोबारी पर फायरिंग की जिम्मेदारी

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): रांची/ राजधानी रांची के बरियातू में कोयला कंपनी के मालिक बिपिन मिश्रा पर हमले की जिम्मेदारी गैंगस्टर अमन साहू के बेहद खास कुख्यात मयंक सिंह ने ली है।

मयंक सिंह के नाम के फेसबुक वॉल पर पोस्ट किया गया है कि विपिन मिश्रा पर रांची बरिआतु में हुए हमले की जिम्मेवारी लेता हूँ, विपिन मिश्रा बच गया पर मेरी कोशिश जारी रहेगी. पूरे झारखंड में विपिन मिश्रा के लिए काम करने वाले सभी– पेटी कोंट्रैक्टर, ट्रांसपोर्टर को चेतावनि है की विपिन मिश्रा का काम बंद करो. वर्ना एक– एक गोली मरूँगा. किसी भी दूसरे गिरोह के बल पर कितना दिन काम करोगे.

बता दें कि आज यानी शुक्रवार को दिन के करीब साढ़े दस बजे बरियातू रोड स्थित सेंट्रल अकादमी के पास को गोली मार दी गयी थी। बाइक सवार अपराधियों ने बिपिन मिश्रा को दो गोली मारी और भाग निकले। एक हाथ में, तो दूसरा गर्दन को छूते हुए निकल गयी वारदात के बाद इलाके में तहलका मच गया।

लहूलुहान बिपिन मिश्रा को जल्दबाजी में मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार जख्मी बिपिन मिश्रा की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

उपायुक्त से बुजुर्ग महिला ने की बेटा-बहू द्वारा जबरन मकान उनके नाम कर देने की शिकायत

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए लोगों की शिकायतें सुनी। जनता दरबार में बरवाअड्डा की एक बुजुर्ग महिला ने उपायुक्त को बताया कि उनके दोनों बेटे और बहुएं जबरन मकान उनके नाम कर देने के लिए दबाव बना रहे हैं। मना करने पर दोनों बेटे और बहुएं उनको विभिन्न तरह से प्रताड़ित करते हैं। महिला ने उपायुक्त से उनकी हरकतों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई।

वहीं एक बुजुर्ग ने उपायुक्त को बताया कि वह कुसुम विहार के एक अपार्टमेंट में काम करते थे। परंतु अपार्टमेंट वालों के आपसी विवाद के कारण उन्हें कई महिनों से भुगतान नहीं किया है। उन्होंने भुगतान करा देने तथा वृद्धा पेंशन दिलाने का अनुरोध किया।

जनता दरबार में गैर आबाद जमीन पर अवैध कब्जा करने, अंचल कार्यालय द्वारा म्यूटेशन नहीं करने, काम कराकर मजदूरी नहीं देने, जमीन पर अवैध सड़क निर्माण करने, बीसीसीएल के एरिया नंबर 10 अंतर्गत चल रहे ओपन कास्ट परियोजना में जबरन जमीन पर कब्जा करने, पानी, बिजली की समस्या सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए।

उपायुक्त ने सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया। जनता दरबार में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज अहमद भी मौजूद थे।

हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के जिलाध्यक्ष बने किशोर हाड़ी

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): हीरापुर पुलिस लाइन के समीप सामाजिक संस्था हाड़ी जाति समाज सुधार की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से धनबाद जिला हाड़ी जाति समाज सुधार समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें किशोर हाड़ी जिलाअध्यक्ष, कार्तिक हाड़ी जिला कार्यकारी अध्यक्ष, पुनीत हाड़ी जिला प्रवक्ता, चतुर हाड़ी संगठन सचिव,विनोद हाड़ी (युवा अध्यक्ष,अमित किशोर संरक्षक एवं शिबू हाड़ी संरक्षक सह मीडिया प्रभारी पद पर मनोनीत किए गए। पदाधिकारियों को बैठक में सदस्यों ने बधाई दी। जिलाध्यक्ष ने समिति को ऊंचाइयों में ले जाने के लिए सभी को आश्वस्त किया। मुख्य रूप से उपाध्यक्ष बच्चन हाड़ी, सागर हाड़ी, महासचिव बुच्चू हाड़ी, रक्षा मंत्री भोला हाड़ी, सूचना मंत्री रंजीत हाड़ी,उपसंगठन सचिव संजय हाड़ी व बादल हाड़ी, महासचिव अजय हाड़ी,उपाध्यक्ष मनोज हाड़ी रंजीत हाड़ी, सचिव दिनेश हाड़ी, संगठन सचिव भरत हाड़ी, सूचना मंत्री श्रवण हाड़ी, कार्यकारणी सदस्य संतोष हाड़ी, किशोर हाड़ी, विकास हाड़ी, झरिया प्रखंड उपाध्यक्ष रमन हाड़ी, कोषाध्यक्ष शिबू हाड़ी समेत सभी सदस्य उपस्थित थे।

अवैध जल कनेक्शनों पर नगर निगम का शिकंजा

असर्फी हॉस्पिटल में जांच के दौरान मचा हंगामा

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): नगर निगम (डीएमसी) ने शहर में पेयजल संकट को दूर करने और जल आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने बारामुरी, बी पॉलिटेक्निक और असर्फी हॉस्पिटल में जल कनेक्शन की जांच की। असर्फी हॉस्पिटल में जांच के दौरान नगर निगम इंस्पेक्टर अनिल कुमार और हॉस्पिटल कर्मचारियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। दो घंटे तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। सूत्रों के अनुसार, ऊपर से एक फोन कॉल आने के बाद मामला शांत हो गया और जांच अधूरी रह गई। नगर निगम पूरे शहर में अवैध जल कनेक्शनों पर शिकंजा कसने के लिए लगातार छापेमारी कर रहा है। गर्मी के मौसम में जल संकट को देखते हुए, अवैध जल उपभोक्ताओं पर विशेष नजर रखी जा रही है। निगम द्वारा अवैध कनेक्शन धारकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। नगर निगम की इस सख्ती से अवैध जल उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया है। अधिकारी जल संकट को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की तैयारी में हैं, ताकि शहरवासियों को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

अपनी शक्ति पहचानें महिलाएं, वे अजेय हैं- उपायुक्त

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): महिलाएं अपनी शक्ति पहचानें। वे अजेय हैं। माता पिता धनी है तो भी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे अपने जीवन का निर्णय स्वयं ले सकेगी।

उपरोक्त बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सिम्फर) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का समान अवसर मिलना चाहिए। पुरुष और महिला में लैंगिक समानता होनी चाहिए। वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है। लाखों महिलाओं ने बुलंदियों को छुआ है। अपनी कड़ी मेहनत और लगन से सर्वोच्च पद हासिल किया है। परंतु समाज में ऐसी भी महिलाएं हैं जो समानता के लिए संघर्ष कर रही है।

महिलाओं को संघर्ष नहीं करना पड़े इसलिए बच्चियों को शिक्षा देना जरूरी है। उन्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी तो अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगी। जब वह कोई मुकाम हासिल कर लेगी तो बाजी पलट सकती है। महिलाएं जिस क्षेत्र में है वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।

अपने संबोधन के दौरान उपायुक्त ने कहा कि मेरी माँ मेरे जीवन का सबसे बड़ा और मजबूत स्तंभ है। मेरे पिता मेरी प्रेरणा हैं। उन्होंने सभी महिलाओं को अपनी बच्चियों को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

समारोह को सिम्फर के निदेशक प्रोफेसर अरविंद कुमार मिश्रा, मुख्य वैज्ञानिक डॉ जे.के. पांडेय, डॉ• वी. अंगुसेलवी, डॉ• सीमा टोपनो ने भी संबोधित किया।

मौके पर डॉ• पल्लवी दास, डॉ• आरती साहू, डॉ• मोनालिसा गंगोपाध्याय, डॉ• मौसमी मल्लिक सहित संस्थान के अन्य महिला एवं पुरुष वैज्ञानिक थे।

ग्रामीण एसपी ने पुलिस मुख्यालय में की "अपराध समीक्षा" बैठक

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (धनबाद): वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दन के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कपील चौधरी के नेतृत्व में शुक्रवार को जिला पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार मे एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत सभी अंचल निरीक्षक, विभिन्न थाना प्रभारी व ओपी प्रभारी सम्मिलित हुए।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना में लंबित काण्ड की समीक्षा करते हुए जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही साइबर अपराध को लेकर विशेष सतर्कता बरतने व साइबर अपराध से बचाव हेतु जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाने को कहा।

एसपी महोदय ने विधि व्यवस्था संधारण हेतु सभी थाना क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने का निर्देश देते हुए सभी पेट्रोल पम्प, बैंक, आवसीय परिसर, व्यापारीक प्रतिष्ठान, स्कूल कॉलेज, अस्पताल, नर्सिंग होम में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी लगवाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही स्थानीय जनता से मित्रवत सम्बन्ध स्थापित करने को कहा ताकि अपराध नियंत्रण के साथ समाज में पुलिस के प्रति सहयोग की भावना को अधिक मजबूत किया जा सके।

आगामी होली और रमजान के पवित्र महीने के मद्देनज़र क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाते हुए असामाजिक तत्वों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। बैठक के दौरान खनिज सम्पदा के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण की शिकायत पर त्वरित कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया।

बैठक के दौरान अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निरसा रजत मणिक बाखला, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बाघमारा पुरषोत्तम कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक विधि व्यवस्था नौशाद आलम, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, पुलिस उपाधीक्षक साइबर संजीव कुमार समेत कई थाना प्रभारी और ओपी प्रभारी मौजूद थे।

क्या अमेरिका पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाह रहा है

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: फिलहाल लगता तो ऐसा है कि अमेरिका दुनिया की पूरी अर्थव्यवस्था पर कब्जा करना चाह रहा है। आर्थिक दुनिया में इस बात की बहुत चर्चा है कि चीन पर अमेरिकी प्रतिबंध भारत, चीन, कनाडा और थाईलैंड को कैसे प्रभावित कर रहे हैं। वहीं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोना एक लाख रुपये प्रति तोला की कीमत की ओर बढ़ रहा है। वहीं भारत-ब्राजील अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन को लगे झटके का असर भारत के स्टील सेक्टर पर भी पड़ा है। ट्रंप ने चीन को सबक सिखाने के लिए स्टील पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की। यह दर 12 मार्च से लागू होगी। इनकी धमकी का सबसे ज्यादा असर मेटल शेयरों पर पड़ा है। उनकी घोषणा के बाद इसके लागू होने की तारीख भी घोषित कर दी गई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मेटल इंडेक्स 2.23 फीसदी गिरा है। सूचकांक 627.81 अंकों यानी 0.11 फीसदी की गिरावट के साथ 27,526.08 पर बंद हुआ। हिंदुस्तान जिंक, जेएसएल, नेशनल एल्युमीनियम कंपनी, एनएमडीसी, कोल इंडिया, वेदांता लिमिटेड, टाटा स्टील, एप्पल पोलो, जिंदल स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को के शेयरों में भारी गिरावट आई। भारत अमेरिका का शीर्ष इस्पात निर्यातक नहीं है। अमेरिका कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको, दक्षिण कोरिया और वियतनाम से अधिकांश स्टील आयात करता है।

इस बीच कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला है। उन्होंने ट्रंप के ऊपर कनाडा को कब्जाने की योजना बनाने का आरोप लगाया है और वॉइट हाउस के टैरिफ हमले को इसी का हिस्सा बताया है। ट्रूडो ने मंगलवार 4 मार्च को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ युद्ध का उद्देश्य कनाडा की अर्थव्यवस्था को नष्ट करना है ताकि वह देश को अपने में मिला सकें। इसके पहले कनाडा के ट्रूडो प्रशासन ने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हमले पर पलटवार करते हुए अमेरिकी आयात पर टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने कनाडाई ऊर्जा आयात पर 10 प्रतिशत और अन्य सभी वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके कुछ घंटों बाद ही ओट्टावा ने सौंदर्य प्रसाधन, उपकरण, टायर, फल और शराब समेत 30 अरब कनाडाई डॉलर मूल्य के अमेरिकी आयातों पर तत्काल 25% टैरिफ लगाने की घोषणा की। कनाडा ने कहा है कि आवश्यकता पड़ने पर 21 दिनों के भीतर 125 अरब डॉलर मूल्य के अतिरिक्त आयात पर टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रूडो ने फेंटेनाइल ड्रग की तस्करी के ट्रंप के आरोपों पर भी जवाब दिया और कहा कि टैरिफ लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति फेंटेनाइल को बहाना बना रहे हैं। ट्रूडो ने इन आरोपों को 'पूरी तरह से फर्जी, पूरी तरह से अनुचित और पूरी तरह से झूठ' बताया। ट्रूडो ने कहा, ट्रंप जो चाहते हैं, वह है- कनाडा की अर्थव्यवस्था का पूरी तरह से पतन देखना। क्योंकि इससे हमें अपने साथ मिलाना आसान हो जाएगा।

भारत के व्यापार मंत्रालय के आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 की तुलना में अमेरिका को भारत के निर्यात में काफी गिरावट आई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, भारत ने 2022-23 की तुलना में अमेरिका को 47.68 प्रतिशत कम स्टील का निर्यात किया, जबकि लोहे और इस्पात के सामान के निर्यात में भी 9 प्रतिशत की गिरावट आई। यह गिरावट इस वित्तीय वर्ष में भी जारी है। यह है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है; लेकिन भारत के विपरीत, यह अमेरिका के शीर्ष इस्पात आयातकों की सूची में नहीं है। स्टील चीन से दूसरे देशों में और वहां से अमेरिका में भेजा जाता है। ट्रम्प प्रशासन जानता है कि अगर स्टील पर टैरिफ लगाए जाते हैं, तो इसका सीधा असर चीन पर पड़ेगा। हालांकि भारतीय इस्पात क्षेत्र लंबे समय में मजबूत है, अल्पकालिक नुकसान से बचना मुश्किल है और आगे उतार-चढ़ाव का जोखिम बना हुआ है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक नीतियों में बदलाव बाजार के रुझान को प्रभावित करते हैं। वे करेंगे। टैरिफ वॉर का असर ग्लोबल इकोनॉमी पर पड़ सकता है। भारत, चीन और थाईलैंड जैसे उभरते बाजारों को सबसे ज्यादा नुकसान हो सकता है। ब्रोकरेज फर्म नोमुरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में बहुत अधिक प्रभावी टैरिफ दरें हैं। इसलिए वे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। भारत का अमेरिका से निर्यात की औसत दर 9.5 प्रतिशत है। भारत का अमेरिका को निर्यात तीन प्रतिशत शुल्क के अधीन है। थाईलैंड में 0.9 प्रतिशत बनाम 6.2 प्रतिशत का आंकड़ा है, जबकि चीन में 2.9 प्रतिशत बनाम 7.1 प्रतिशत है, और सिंगापुर और दक्षिण कोरिया जैसे देश, जिनके पास संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं, ट्रम्प के प्रतिशोधी टैरिफ के खतरे से अधिक सुरक्षित हैं। नोमुरा ने कहा कि भारत में उच्चतम निर्यात शुल्क दर है। भारत एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्चतम टैरिफ दर वाला देश है। इसलिए, भारत को ट्रम्प की टैरिफ दर में वृद्धि का बड़ा खतरा है। दुनिया भर में भारत के निर्यात का 18% अमेरिका को होता है। 2024 में व्यापार अधिशेष बढ़कर लगभग 38 बिलियन हो गया है। अमेरिका में भारत के निर्यात में विद्युत/औद्योगिक मशीनरी, रत्न और आभूषण शामिल हैं। नोमुरा के विश्लेषकों ने कहा कि दवाएं, ईंधन, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, लोहा एवं इस्पात, कपड़ा, कपड़ा और रसायन क्षेत्र में आयरन, स्टील और एल्युमीनियम की हिस्सेदारी कुल 5.5 प्रतिशत है। यदि वे अपने शीर्ष स्थान को बनाए रखते हैं, तो भारत और ब्राजील सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं होंगे, जिनकी जीडीपी वृद्धि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक होगी। लेकिन कर्ज का बोझ भी तेजी से बढ़ा है। दूसरी ओर, कनाडा, जर्मनी और इटली ने कर्ज कम करने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही, जापान की आर्थिक स्थिति चुनौतीपूर्ण रही है। यह विश्लेषण 2020 से 2025 तक के आर्थिक आंकड़ों पर आधारित है। विश्व मुद्रा कोष का अनुमान है कि 2025 में अमेरिकी जीडीपी 30.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। यह पिछले कुछ वर्षों में 42 प्रतिशत की वृद्धि है। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ऋण-से-जीडीपी अनुपात को 132 प्रतिशत से घटाकर 124 प्रतिशत कर दिया है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। चीन की जीडीपी 2025 तक 19.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है। यह 2020 में 14.9 ट्रिलियन डॉलर था। पिछले पांच वर्षों में इसमें 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है; लेकिन चीन का कर्ज-टू-जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत से बढ़कर 94 प्रतिशत हो गया है, जो दर्शाता है कि चीन की विकास दर ऋण पर निर्भर है, जो लंबे समय में खतरनाक हो सकती है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की GDP 2020 में 2.7 ट्रिलियन डॉलर से 2025 में 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि भारत ने पांच वर्षों में 60 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है और ऋण-से-जीडीपी अनुपात 88 प्रतिशत से गिरकर 83 प्रतिशत हो गया है। यह भारत की आर्थिक स्थिरता को दर्शाता है। यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी की जीडीपी, 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 3.9 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। अंदाज़ा लगाओ क्या। इसके अलावा, ऋण-जीडीपी अनुपात 68 प्रतिशत से गिरकर 62 प्रतिशत हो गया है। ब्राजील की अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ रही है। ब्राजील की जीडीपी 2020 में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2025 में 2.3 ट्रिलियन डॉलर होने की उम्मीद है। यह वृद्धि पांच वर्षों में 56 प्रतिशत होगी। ब्राजील ने अपने कर्ज-से-जीडीपी अनुपात को 96 प्रतिशत से घटाकर 92 प्रतिशत कर दिया है। इससे उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत हुई है। सोना हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। 11 फरवरी का सोने का वायदा भाव 86,000 रुपये के आसपास था. अब 10 ग्राम सोने का भाव 90,000 रुपये प्रति तोला की ओर बढ़ रहा है। कई रिपोर्टों में सोने की कीमतों में 90,000 रुपये प्रति तोला तक की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। भारत में सोने का सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व है। बाजार की स्थिति लगातार बदल रही है और निवेशक और व्यापारी इन परिवर्तनों की निगरानी करते हैं। ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होने से सोना और महंगा होता जा रहा है। बढ़ती महंगाई से भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिल रहा है। शेयर बाजार में बढ़ती उठापटक के चलते लोग सोने में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं।

अशोक भाटिया

बलात्कार और हिंसा पर कब टूटेगी समाज की चुप्पी?

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: दुनियाभर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया जाता है, जो सही मायनों में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने वाला एक वैश्विक दिवस है। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान का भी प्रतीक है। हालांकि चिंता का विषय यही है कि जिस 'आधी दुनिया' के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है, उसी आधी दुनिया को जीवन के हर मोड़ पर भेदभाव या अपराधों का सामना करना पड़ता है। यदि इसे भारत के ही संदर्भ में देखें तो शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता हो, जब 'आधी दुनिया' से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम सिर्फ पुलिस-प्रशासन को कोसने और संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालने या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन करने की रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं तो आए दिन होती ही रहती हैं।

देश में कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर बीते कुछ वर्षों में कई तरह के कदम उठाने और समाज में 'आधी दुनिया' के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मर्यादा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं हो रही है, जिसके वो हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि महज कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने से रहे, जब तक उनका ईमानदारीपूर्वक कड़ाई से पालन न किया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस-प्रशासन की भूमिका भी अनेक अवसरों पर संदिग्ध रहती है। पुलिस किस प्रकार ऐसे अनेक मामलों में पीड़िताओं को ही परेशान करके उनके जले पर नमक छिड़कने का कार्य करती है, ऐसे उदाहरण अक्सर सामने आते रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों के मद्देनजर अपराधियों के मन में पुलिस और कानून का भय कैसे उत्पन्न होगा और कैसे महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों में कमी की उम्मीद की जाए? जरूरत इस बात की महसूस की जाने लगी है कि पुलिस को लैंगिक दृष्टि से संवेदनशील बनाया जाए ताकि पुलिस पीड़ित पक्ष को पर्याप्त संबल प्रदान करे और पीड़िताएं अपराधियों के खिलाफ खुलकर खड़ा होने की हिम्मत जुटा सकें, साथ ही जांच एजेंसियों और न्यायिक तंत्र से भी ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई की अपेक्षा की जानी चाहिए। ऐसी घटनाओं पर अंकुश के लिए समय की मांग यही है कि सरकारें मशीनरी को चुस्त-दुरूस्त बनाने के साथ-साथ प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करें कि यदि उनके क्षेत्र में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के मामलों में कानून का अनुपालन सुनिश्चित नहीं हुआ तो उन पर सख्त कार्रवाई की जाए।

दिनदहाड़े सामने आती छेड़छाड़, अपहरण, बलात्कार या सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं सभ्य समाज के माथे पर बदनुमा दाग के समान हैं और यह कहना असंगत नहीं होगा कि महज कड़े कानून बना देने से ही महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर अंकुश नहीं लगने वाला। आए दिन देशभर में हो रही इस तरह की घटनाएं हमारी सभ्यता की पोल खोलने के लिए पर्याप्त हैं। इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि बलात्कार और छेड़छाड़ के आए दिन जो मामले सामने आ रहे हैं, उनमें बहुत से ऐसे भी होते हैं, जिनमें पीड़िता के परिजन, निकट संबंधी या परिचित ही आरोपी होते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों में तो यहां तक कहा जा चुका है कि करीब 97 फीसदी मामलों में महिलाएं अपनों की ही शिकार होती हैं और यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिला अपराधों के मामले में पूरी दुनिया की यही तस्वीर है। जहां देश में हर 53 मिनट में एक महिला यौन शोषण की शिकार होती है और हर 28 मिनट में अपहरण का मामला सामने आता है, वहीं संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनिया में प्रत्येक तीन में से एक महिला का कभी न कभी शारीरिक शोषण होता है। दुनिया में करीब 71 फीसदी महिलाएं शारीरिक मानसिक प्रताड़ना अथवा यौन शोषण व हिंसा की शिकार होती हैं, दक्षिण अफ्रीका में हर छह घंटे में एक महिला को उसके साथी द्वारा ही मौत के घाट उतार दिया जाता है और अमेरिका में भी इसी प्रकार कई महिलाएं हर साल अपने ही परिचितों द्वारा मार दी जाती हैं।

जहां तक पीड़िताओं को न्याय दिलाने की बात है तो इसके लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग काफी समय से उठती रही है किन्तु हमारा सिस्टम कछुआ चाल से रेंग रहा है। ऐसे मामलों में कठोरता बरतने के साथ-साथ त्वरित न्याय प्रणाली की भी सख्त जरूरत है ताकि महिला अपराधों पर अंकुश लग सके। आज अगर समाज में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के बावजूद महिलाओं के प्रति अपराध और संवेदनहीनता के मामले बढ़ रहे हैं तो हमें यह जानने के प्रयास करने होंगे कि कमी हमारी शिक्षा प्रणाली में है या कारण कुछ और हैं। ऐसे कृत्यों में लिप्त रहने वाले लोगों की कुंठित मानसिकता के कारणों की पड़ताल करना भी बहुत जरूरी है, साथ ही सामाजिक मूल्यों का विकास करने के लिए विद्यालयों में नैतिक शिक्षा को लागू करना और छात्रों को अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करना समय की मांग है ताकि युवाओं की नकारात्मक सोच को परिवर्तित करने में मदद मिल सके, जिससे स्थिति में सुधार की उम्मीद की जा सके।

योगेश कुमार गोयल

आयात कर की जंग और मैत्री

क्या भारत और अमेरिका के बीच सुलग रहा है एक नया व्यापारिक युद्ध?

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: वैश्विक व्यापार के मंच पर एक नया विवाद उभर रहा है, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर यह आरोप लगाया है कि वह अमेरिकी उत्पादों पर अनुचित और अत्यधिक आयात कर थोप रहा है, जिससे अमेरिकी व्यापारिक संस्थानों को नुकसान हो रहा है। इसके जवाब में, ट्रंप प्रशासन ने आगामी 2 अप्रैल से भारत के खिलाफ प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाने की घोषणा की है। यह निर्णय न केवल व्यापारिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है, बल्कि दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों में भी दरार डाल सकता है। भारत और अमेरिका अब तक व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में बढ़ रहे थे, लेकिन यह नया विवाद उनके रिश्तों में तनाव बढ़ाने की आशंका पैदा कर रहा है। प्रश्न यह है कि क्या यह विवाद एक नए व्यापारिक युद्ध की शुरुआत है या फिर कूटनीति और समझदारी से इसका शांतिपूर्ण समाधान संभव है? इस मुद्दे ने वैश्विक स्तर पर भी चिंता और चर्चा को जन्म दिया है।

अमेरिका का मानना है कि भारत उसके उत्पादों पर अत्यधिक शुल्क लगाकर अमेरिकी कंपनियों को नुकसान पहुँचा रहा है। दूसरी ओर, भारत का तर्क है कि उसके द्वारा लगाए गए शुल्क विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों के अनुरूप हैं और स्वदेशी उद्योगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि अमेरिका लंबे समय से व्यापारिक असंतुलन का शिकार रहा है और इस असमानता को दूर करने के लिए कड़े कदम उठाने जरूरी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विवाद केवल आयात कर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें व्यापारिक रणनीतियाँ, राष्ट्रीय हित और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे गहरे तत्व जुड़े हुए हैं। भारत और अमेरिका दोनों ही बड़े व्यापारिक खिलाड़ी हैं, और उनके बीच बढ़ते मतभेदों का असर केवल द्विपक्षीय व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा।

यदि अमेरिका भारत पर प्रतिशोधात्मक शुल्क लगाता है, तो इसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर पड़ सकता है। विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि, वस्त्र और ऑटोमोबाइल उद्योगों पर इसका गहरा असर देखने को मिल सकता है। अमेरिकी बाज़ार में भारतीय उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी होगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कम हो सकती है। भारत के लिए अमेरिका एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है, और ऐसे में यदि यह विवाद बढ़ता है, तो इससे भारत के निर्यातकों को गंभीर नुकसान हो सकता है। विशेष रूप से फार्मा और आईटी सेक्टर, जो अमेरिकी बाज़ार में व्यापक पैमाने पर कारोबार करते हैं, इस फैसले से प्रभावित हो सकते हैं।

भारत सरकार ने इस विवाद को वार्तालाप के माध्यम से सुलझाने की इच्छा प्रकट की है। सरकार का मानना है कि व्यापारिक संधियों के तहत एक संतुलित समाधान निकाला जा सकता है। भारत की नीति यह संकेत देती है कि वह अमेरिका के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को लेकर सतर्क है और किसी भी प्रकार की कटुता से बचना चाहता है। हालांकि, भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने स्वदेशी उद्योगों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। यदि भारत अमेरिकी उत्पादों पर आयात कर में कमी करता है, तो इससे स्थानीय कंपनियों को नुकसान हो सकता है। इसलिए सरकार के सामने यह चुनौती है कि वह ऐसा समाधान निकाले जो न केवल भारतीय उद्योगों की सुरक्षा करे, बल्कि अमेरिका के साथ व्यापारिक रिश्तों को भी मजबूत बनाए रखे।

यह विवाद केवल भारत और अमेरिका तक सीमित नहीं है। वर्तमान में अमेरिका और चीन के बीच पहले से ही व्यापारिक तनाव चल रहा है, और यदि भारत-अमेरिका के बीच यह विवाद लंबा खिंचता है, तो इसका वैश्विक व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस समस्या का समाधान केवल कूटनीतिक संवाद और व्यापारिक संधियों के माध्यम से ही संभव हो सकता है। भारत और अमेरिका दोनों को इस विवाद को जल्द से जल्द सुलझाने के लिए वार्ता प्रारंभ करनी चाहिए, ताकि यह किसी बड़े व्यापारिक युद्ध का रूप न ले।

व्यापारिक विवाद और शुल्क विवाद केवल आर्थिक मुद्दे नहीं होते, बल्कि वे व्यापक कूटनीतिक और राष्ट्रीय हितों से जुड़े होते हैं। भारत और अमेरिका को यह समझना होगा कि उनकी नीतियों का असर केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार तंत्र पर भी पड़ेगा। भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह ऐसी रणनीति अपनाएं जिससे न केवल उसके स्वदेशी उद्योग सुरक्षित रहें, बल्कि अमेरिका जैसे प्रभावशाली व्यापारिक साझेदार के साथ उसके संबंध भी मजबूत बने रहें। इसी प्रकार, अमेरिका को भी भारत के साथ संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग की संभावनाएँ बनी रहें। अतः यह समय दोनों देशों के लिए समझदारी से निर्णय लेने का है, ताकि व्यापारिक असंतुलन को दूर किया जा सके और वैश्विक बाज़ार में स्थिरता बनी रहे।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

चिंता और चिंतन के अंतर को समझने का महत्व

आशावादी दृष्टिकोण से सफलता

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं। निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ चिंतन, नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी

सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए । यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है। और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है।ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है।

वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है।

मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है जब इसमें जीवन के मूल्यों और सिद्धांतों का समावेश होता है। वही देश और राष्ट्र चिरस्थाई तथा लंबे समय तक स्वतंत्र रह सकता है, जिसके शासक एवं प्रजा अपने संपूर्ण कार्य मूल्यों, उसूलों और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलकर वैश्विक देशों से अपने संबंध निर्मल तथा सैद्धांतिक बनाकर रखता हैअन्यथा उस राष्ट्र को विखंडित और पराधीन होने से कोई नहीं बचा सकता।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार, चिंतक लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

उधार और पुरस्कार

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: दरवाजे पर दूसरे देशों से हमेशा कुछ न कुछ मांगने वाले देशों की तरह मांगने की मुद्रा में मंगतलाल, मेरा पड़ोसी, खड़ा था। बैठो कहना था कि सोफे पर ऐसे पसरा जैसे देश में अशांति पसरी हुई है। भाई मुझे पच्चीस हजार रुपए उधार चाहिए। बहुत जरूरी है। जीवन मरण का प्रश्न है। लगभग गिड़गिड़ाने लगा था मंगत लाल।

क्या हो गया? सोना सस्ता हो गया इसलिए भाभी के लिए गहना खरीदना है? क्योंकि जीवन मरण का प्रश्न बीवी के साथ ही जुड़ा हुआ जो है।

नहीं भाई। वो बात नहीं है। मुझे बजट और सस्ता महंगा से फिलहाल कुछ मतलब नहीं है।

तो क्या भाभी के लिए नया आई फोन लेना है जो छह हजार सस्ता हो गया आजकल।

अरे राव भाई। भाभी के लिए गहना, भाभी के लिए आई फोन ही दुनियां नहीं है। तुम्हारी भाभी के अलावा भी मेरी दुनियां है। समझे!

मतलब भाभी के अलावा भी आपने दूसरी दुनियां बसा रखी है। भाभी जानती हैं तुम्हारी दूसरी के बारे में?

यार तुम भी न। बात को कहां से कहां ले जाते हो। मतलब यह उधार तुम्हारी भाभी के लिए नहीं है।

अच्छा तो जुए में अच्छा खासा हार गए और उसी का उधार चुकाना है। है न? देखा कैसे पता लगा लिया?

राव भाई! तुम तो यार बसंती से ज्यादा बोलते हो। मेरी बात सुनते ही नहीं।

अच्छा आपकी दूसरी दुनियां का नाम बसंती है। अच्छा है। कहां रहती है। कभी मिलाओ भी। कह रहे हो बड़ी बातूनी है।

राव भाई तुम मेरी जिंदगी से खेल रहे हो। बसंती शोले फिल्म में हेमा मालिनी के किरदार का नाम है। समझे। अब तसल्ली हुई? कलेजा ठंडा पड़ा?

चाय पीते पीते फिर शुरू हो गया मंगत लाल। बोलो राव भाई। पैसे का जुगाड़ हो जाएगा न?

लेकिन तुम्हें इतने पैसों की जरूरत क्या आन पड़ी। वो डिकोस्टा के दारू के अड्डे की उधारी इतनी ज्यादा हो गई की तुम्हें मुझसे लोन लेना पड़ रहा है? जब कुव्वत नहीं है तो काहे इतना पीते हो?

भगवान जाने सुबह सुबह मैंने किसका चेहरा देख लिया जो इतनी यातना झेलनी पड़ रही है?

शेविंग करते वक्त अपना ही चेहरा देखा होगा। क्या तुम जुआ नहीं खेलते? दारू नहीं पीते? ऐसा शो कर रहे हो जैसे हमारे सारे झूठे नेता खुद को हरिश्चंद्र साबित करते फिरते हैं और उनके जैसा सज्जन बुद्धिजीवी कोई है ही नहीं। करेंगे सब कुछ लेकिन कोई कुछ न कहे। है न मंगत भाई?

तुम तो नाराज हो गए राव भाई। ऐसी बात नहीं है। अब आपसे क्या छिपाना? तिकड़म साहित्य संस्था वाले मेरा सम्मान कार्यक्रम कर रहे हैं। उन्होंने मेरे साहित्य सृजन से प्रभावित होकर मुझे साहित्य संन्यासी पुरस्कार देने का प्रस्ताव रखा। आयोजन के लिए मुझे उन्हें ये रुपए देने हैं।

तुम और साहित्य? कभी मुझे पढ़ने को नहीं दिया?

वो सब छोड़ो। पैसे तो दे रहे हो न? मैं पांच किश्तों में लौटा दूंगा, कसम से!

इस तरह तुम भी हमारे बड़े बड़े नेताओं की तरह पुरस्कारों और अवार्ड के पीछे भागोगे तो कैसे चलेगा? और तो और यह जो साहित्य संन्यासी का मतलब जानते हो?

हां। जिसने जीवन में संन्यास लेकर अपना पूरा जीवन साहित्य सेवा में गुजार दिया। उन्होंने ही बताया।

अरे संन्यासी मंगत लाल। साहित्य संन्यासी का अर्थ जिस व्यक्ति ने साहित्य से संन्यास ले लिया हो। अच्छा तिकड़म लगाया उस संस्था वालों ने तुमसे पैसे ऐंठने के लिए। आराम से घर जाओ। ऐसे पचड़ों में न पड़ो तो अच्छा है वरना जमानत जब्त नेता की तरह दर दर भटकते फिरोगे।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम (आंध्रा प्रदेश)

अगर आधी आबादी से होते हुए भी महिलाएँ इस आबादी की कहानियाँ नहीं कहेंगी, तो कौन कहेगा?

सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी दुनिया के मसले

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज़ महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हक़ों के लिए। छोटी शुरुआत ही सही, लेकिन शुरुआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफ़र अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ़ बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा। निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के ज़रिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को ख़त्म करना पहली आवश्यकता है।

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम पर कब्जा करती हैं। इस महत्त्वपूर्ण अल्प प्रतिनिधित्व के परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने से महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है। इसके पीछे की वजहें हैं लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होने से महिलाओं को दरकिनार किया जाता है। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के ज़रिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को ख़त्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मज़बूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर ज़ोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

इसके अलावा, अदालतों ने हिंदू उत्तराधिकार कानूनों में पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए समान उत्तराधिकार अधिकारों को बरकरार रखा है, जैसा कि 2020 में विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में देखा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करें। प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए चुनावों में महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। न्यायालयों को लिंग कानूनों के पालन की निगरानी और प्रवर्तन करने की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को कार्यस्थल उत्पीड़न की घटनाओं के लिए त्वरित न्याय प्रदान करना चाहिए। नीतियों को महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और उद्यमिता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बड़े ऋण प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना का विस्तार किया जाना चाहिए।

स्कूली पाठ्यक्रम में कम उम्र से ही पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने के लिए लिंग जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। समानता-केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में लिंग-संवेदनशील सामग्री शामिल होनी चाहिए। कंपनियों के लिए गहन ऑडिट आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मातृत्व और उत्पीड़न विरोधी नियमों का अनुपालन करती हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी को पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता। लिंग-संवेदनशील नीतियों को विकसित करने के लिए निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। उन्हें विधायी सुधारों, जमीनी स्तर पर शिक्षा और संस्थागत प्रवर्तन तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक भागीदारी और कानूनी सुरक्षा को बढ़ाने से भारत के लिए वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी शासन प्रणाली बनेगी। महिलाओं की आवाज़, दृष्टिकोण और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों सहित महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व को मानवीय कार्यवाही के सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना ज़रूरी है।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज़ महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हक़ों के लिए। छोटी शुरुआत ही सही, लेकिन शुरुआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफ़र अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। मैं एक ऐसा समाज चाहती हूँ, जहाँ बराबरी के लिए महिलाओं को बार-बार अपनी छाती पीटकर अपनी पहचान न साबित करनी पड़े, अवसर सबको मिले। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए, सिर्फ़ बराबरी चाहिए। जो स्वाभाविक हो, उसके लिए संघर्ष न करना पड़ा।

प्रियंका सौरभ

भारतीय खाद्य निगम ने बिहार में गेहूं खरीद के लिए की तैयारी

एक अप्रैल से खुलेंगे 151 अधिप्राप्ति केंद्र

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: भारतीय खाद्य निगम ने आगामी एक अप्रैल से संपूर्ण बिहार में गेहूं खरीद की व्यापक तैयारी की है। इसको लेकर पूरे बिहार में 151 गेहूं अधिप्राप्ति केंद्र खुलेगा। इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। पीरपेंती के अम्मापाली गांव में भारतीय खाद्य निगम भागलपुर द्वारा किसान समागम सह पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया।

वहीं भारतीय खाद्य निगम, भागलपुर के मण्डल प्रबंधक संत नवनीत कुमार राणा ने बताया कि इस वर्ष अधिक से अधिक गेहूं की खरीद करने हेतु विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों और किसानों को भारतीय खाद्य निगम के गेहूं खरीद केंद्र पर लाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा संबंधित किसान के खाते में उसी दिन समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भुगतान कर दिया जाएगा तथा संबंधित किसान उत्पादक संगठन को सरकार की भागीदारी करने के फलस्वरूप 27 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से कमीशन भी दिया जायेगा। आयोजन स्थल पर किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे जिनसे गेहूं खरीद प्रक्रिया में उनकी भागीदारी एवं देश के विकास में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर किसान उत्पादक संगठन, किसान सालाहकारों के अलावा प्रखंड कृषि पदाधिकारी युगल प्रसाद मेहता भी उपस्थित थे तथा उन्होंने ने भी किसानों को ज्यादा से ज्यादा गेहूं भारतीय खाद्य निगम को देने के लिए प्रेरित किया।

श्री राणा ने बताया कि बिहार में 2 लाख टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए व्यापक तैयारियां की जा रही है। भारतीय खाद्य निगम के अलावा सहकारिता विभाग बिहार सरकार अपने विभिन्न प्राथमिक सहकारी समितियों एवं व्यापार मंडल के माध्यम से केंद्र खोलेगी। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 150 रुपये अधिक है। किसानों को समर्थन मूल्य का भुगतान उनके बैंक खाते में 48 घंटे के अन्दर कर दिया जायेगा। किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न स्तर पर निरंतर किसान सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। रेडियो, टेलीविजन, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, व्यक्तिगत किसान संपर्क, मोबाईल सन्देश, बैनर, मुनादी आदि के माध्यम से व्यापक प्रचार–प्रसार भी किया जा रहा है।

उन्होंने सभी किसान भाइयों से अपील की कि वे अपना पंजीकरण कृषि विभाग के डीबीटी पोर्टल पर अवश्य करवाएं तथा सहकारिता विभाग के पोर्टल पर गेहूं बेचने हेतु आवेदन अवश्य करें। गेहूं की खरीद ऑनलाइन माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ की जाएगी तथा किसान भाइयों को पंजीकरण में किसी प्रकार की परेशानी आती है तो वे बिहार राज्य खाद्य विभाग की हेल्पलाइन 18003456194 अथवा सहकारिता विभाग की हेल्पनाइन 18001800110 पर निशुल्क सपर्क कर सकते है। पंजीकरण की प्रक्रिया बिलकुल सरल बनाई गई है। गेहूं की खरीद एवं समर्थन मूल्य का भुगतान बिना किसी कटौती के सीधे किसानों के बैंक खाते में ऑनलाइन 48 घंटे की अवधि में की जाएगी।

इस अवसर पर सेंटर इंचार्ज अशोक कुमार, तकनिकी इंचार्ज राहुल रोहिताश्व, प्रदेश मुखिया संघ उपाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिंह, अविनाश कुमार उर्फ़ बबलू सहित अन्य किसान उपस्थित थे।

सनोखर के लाल आनंद ने किया कमाल, प्रथम प्रयास में ही बने प्रखंड उद्यान पदाधिकारी

* बीपीएससी परीक्षा में 55 वाँ रैंक प्राप्त कर सनोखर के आनंद बने प्रखंड उद्यान पदाधिकारी
* बचपन से ही अन्नदाता किसानों की सेवा करने का था लक्ष्य- आनंद

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगाँव-: राष्ट्रीय उच्च विद्यालय सनोखर हाट के सेवानिवृत शिक्षक सनोखर निवासी सरयू प्रसाद दास के पौत्र आनंद कुमार का चयन बीपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में 55 वाँ रैंक के साथ प्रखंड उद्यान पदाधिकारी के पद पर हुआ। आनंद के पिता अनिल कुमार एलआईसी एजेंट एवं माता रुबी कुमारी गृहिणी है। परीक्षा परिणाम के साथ ही माता- पिता एवं परिजनों में खुशी की लहर दौड़ गई। आनंद की प्रारंभिक पढ़ाई कहलगांव स्थित गुरु कृपा अकादमी से हुई एवं उड़ीसा कृषि विश्वविद्यालय से उद्यान विषय से स्नातक की डिग्री प्राप्त किया। आनंद के चाचा शिक्षक अजीत कुमार एवं धौरेया में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी पद पर कार्यरत अजय कुमार ने बताया कि बचपन से ही आनंद का प्रदर्शन पढ़ाई में अव्वल रहा और पढ़ाई के साथ- साथ कृषि कार्य में उनकी विशेष रुचि थी।

बातचीत के दौरान आनंद कुमार ने कहा कि कृषि प्रधान राज्य बिहार में जन्म लेकर कृषि विभाग में कार्य करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। कृषि में नए- नए तकनीकों को किसानों तक पहुँचाकर उनकी सेवा करना मेरे बचपन का लक्ष्य था। परीक्षा परिणाम जारी होते ही सोशल मीडिया के माध्यम से स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ-साथ क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों ने आनंद एवं उनके पूरे परिवार को सनोखर क्षेत्र को गौरवान्वित करने के लिए बधाई दिया। शिक्षक अर्जुन केशरी ने कहा कि आनंद के चयन से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे क्षेत्र के युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

विक्रमशिला प्रीमियर लीग के पहले मैच में पीरपैंती पलटन ने बीबी स्पोर्ट्स कहलगांव को 72 रन से हराया

पीरपैंती पलटन के कप्तान विष्णु ने 24 गेंदों में 77 रन बनाए और मैन ऑफ द मैच बने

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगांव/पीरपैंती-: विक्रमशिला प्रीमियर लीग 2025 सीजन फर्स्ट में पहला मुकाबला पीरपैंती पलटन और बीबी स्पोर्ट्स कहलगांव के बीच खेला गया।

जब टॉस के लिए सिक्का उछाला गया, तो बीबी स्पोर्ट्स के कप्तान बेदी बाबा ने टॉस जीता और पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया।

वहीं, पीरपैंती पलटन को बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किया गया। पीरपैंती पलटन की पूरी टीम 14.5 ओवर में 219 रन बना सकी, जबकि 220 रन का लक्ष्य दिया। बाद में खेलने आये बीबी स्पोर्ट्स कहलगांव के बल्लेबाजों ने 147 रन 9 विकेट के नुकसान और 15 ओवर की समाप्ति पर बनाया। इस प्रकार से, पीरपैंती पलटन की टीम 72 रन से जीतकर फाइनल में प्रवेश की, जबकि मैन ऑफ द मैच का अवार्ड पीरपैंती पलटन के कप्तान विष्णु को दिया गया, जिन्होंने 24 गेंद का सामना करते हुए 77 रन बनाए।

मैच में उद्घोषक की भूमिका कृष्ण कुमार सिंह ने निभाया। वहीं, कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि पीरपैंती विधानसभा और कहलगांव विधानसभा के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच मिला है, जिससे खिलाड़ी खेल कर अपने जिले का नाम रोशन कर सकें।

कोयला मंत्री ने एक समारोह में महिला दिवस पर 11 खान कर्मियों को सम्मानित किया

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (हैदराबाद): अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को ले कोयला मंत्री ने महिला खनिकों को सम्मानित किया, हैदराबाद में आयोजित एक समारोह में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 11 महिला खनन कर्मियों को सम्मानित किया.

कोयला मंत्री ने अपने संबोधन में कहा की कोल इंडिया की आठ राज्यों में हमारी अनुषंगी कंपनीया है और इन सभी कंपनियों में कार्य करने वाली हमारी नारी शक्ति ने बाधाओं को तोड़ा है, बल्कि अपनी-अपनी भूमिकाओं में असाधारण समर्पण और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए देश में ऊर्जा की उत्पादन किया है,

कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी कंपनियों में कार्यरत इन नारी शक्तियों को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं, इस अवसर पर संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार कोयला मंत्रालय निरुपमा कोटरू समेत कोल इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे.

सतसंग वचन सुनने से ही होगी कर्मों की गंदगी साफ- बाबा उमाकान्त जी महाराज

सतसंग वचन याद आने से ही लंकिनी की जान बच गई

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (उज्जैन): परम सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि सतसंग सुनने से ही मैलाई जाती है। कर्मों की जो मैलाई है, जान में अनजान में जो कर्म आपके बन गए हैं, वो कैसे साफ होगी? सतसंग वचन सुनने से। सतसंग वचन सुनने से देखो बहुत लोगों में बदलाव आ गया। सतसंग सुनकर के और याद कर लिया (सतसंग वचनों को), तो देखो लंकिनी की जान बच गई थी। तो सतसंग से बहुत फायदा होता है। सतसंग सुनने की पहले जब लोग आदत बनाए हुए थे, 15 दिन में, महीने में एक बार आते जाते रहते थे सुनने के लिए, तब हर चीज की बराबर जानकारी रहती थी। इसलिए सतसंग बराबर सुनते रहना चाहिए।

सतसंग का क्या फल मिलता है? (एक राजा और महात्मा जी का दृष्टांत)

एक राजा ने महात्मा जी से सवाल किया, कहा "सतसंग का क्या फल मिलता है?", महात्मा जी बोले "तुम सुनना चाहते हो या देखना चाहते हो?", बोला "देखना चाहते हूं"। महात्मा जी ने कहा "ठीक है, चले जाओ उधर, नदी के किनारे एक टीला है, एक पेड़ है, उसी पेड़ के ऊपर चढ़ करके बैठ जाना, तो तुमको इस सवाल का जवाब मिल जाएगा"। राजा चला गया और बैठ गया, और काफी देर तक बैठा रहा। फिर सोचा 'कुछ नहीं दिखाई पड़ रहा है, आने का क्या मतलब निकला?' और जब नीचे उतरने लगा, तब देखा कि एक आदमी झाड़ू ले करके आ रहा है, आया और झाड़ू लगा करके चला गया। फिर दूसरा आदमी गलीचा (कालीन) ले करके आया, और जमीन पर बिछा करके चला गया। उसके बाद कुछ दिव्य आत्माएं ऊपर से उतरी और आकर बैठ गई। फिर एक सिंहासन पर एक दिव्य पुरुष आये, और वहां बैठ करके सतसंग सुनाया, उसके बाद वो सिंहासन ऊपर चला गया और वो सब लोग भी वहां से चले गए। राजा वहीं बैठ करके सब देखता रहा और जब देखा कि अब और कुछ नहीं दिखाई पड़ रहा है, तो धीरे-धीरे नीचे उतरा। जब उसने जमीन पर पैर रखा, तो देखा एक आदमी जो काला, कुरुटा, कुरूपी, जिसके अंग टेढ़े, जिसको देखते ही भय लगे, आता हुआ दिखाई पड़ा। राजा वहीं खड़े हो करके देखने लगा कि देखें ये कौन है, ये क्या करता है। तो वो आदमी आया और जमीन पर लौटने लगा। अब लौटने के बाद, उसका शरीर बिल्कुल निर्मल, स्वच्छ हो गया। तो राजा ने पूछा "आप कौन हो?", बोला "मैं एक पापी हूं, दिनभर इतना पाप करता हूं कि मेरा शरीर काला पड़ जाता है। मैं जानता हूं ये पाप है, लेकिन उसमें इतना लिप्त हो गया हूं कि मेरा मन पाप किए बगैर मानता ही नहीं है। तो उसका असर आता है और शरीर काला, कुरूपी हो जाता है। लेकिन इस स्थान पर सतसंग होता है, और सतसंग वाली जगह पर जब मैं लेट लेता हूं, तो मैं निर्मल, साफ हो जाता हूं"। तो जिस जगह पर सतसंग होता है और वो स्थान अगर गंदा ना हो (वहां पाप ना हो, हिंसा, हत्या ना हो), तो पवित्र रहता है।

दलित और आदिवासी समाज की भावनाओं के साथ खेल रहीं, हेमंत सरकार- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (रांची): दलित और आदिवासी समाज के समस्याओं के समाधान पर रुचि नहीं दिखा कर उनके भावनाओं के साथ खेल रहीं है हेमंत सरकार।

उपरोक्त बाते आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आज सिरम टोली के मुख्य द्वार पर फ्लाई ओवर से रैम्प हटाने की मांग को लेकर आदिवासी समाज द्वारा मानव श्रंखला बना कर आन्दोलन करने पर अपनी प्रतिक्रिया मे कही।

इन्होने आगे कहा कि सरकार के लिए यह शर्म की बात है कि आदिवासी समाज लगातार इस समस्या के समाधान को लेकर आन्दोलित है। आन्दोलन का असर यह है कि मंत्री चमरा लिंडा एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने आन्दोलित आदिवासी समाज के

बीच जाकर एंव उक्त स्थल का निरीक्षण भी किया साथ ही साथ पथ निर्माण विभाग के रांची प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को स्थल पर बुलाकर सब समझाया और इसका सामाधान कि दिशा मे निर्देश दिया और खुद मंत्री चमरा लिंडा और विधायक राजेश कच्छप ने मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन से मिलकरआदिवासी समाज के भावनाओ से अवगत करा कर 24 फरवरी तक किसी भी कीमत में फ्लाई ओवर से रैम्प हटाने का आश्वासन दिया जो अभी तक नहीं किया गया जिससे यह साबित होता है कि यह सरकार आदिवासी समाज के भावनाओं से कोई लेना देना नहीं है। जिसका ही परिणाम है कि सरकार के वादा खिलाफी के कारण आज पुनः आदिवासी समाज सड़क पर उतर कर आंदोलन करने को मजबूर हो गए उनके किए जा रहे सभी आन्दोलनों का आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच समर्थन करता है।

श्री नायक ने आगे यह भी कहा कि सरकार ने अनुसूचित जनजाति सलाहकार परिषद की तर्ज पर अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद की स्थापना करने की घोषणा को मात्र दलित समाज के लिए मुंगरी लाल के हसीन सपनो की तरह बताया है। इन्होंने आगे कहा कि आज चार वर्षो से झारखंड मे अनुसूचित जाति आयोग का गठन हेमंत सरकार ने नही किया रघुवर दास के कार्यकाल मे इसके प्रथम अध्यक्ष शिव पुजन राम को बनाया गया था इनके कार्यकाल के समाप्ति के बाद चार वर्षो से अध्यक्ष का पद खाली है मगर इसके गठन की दिशा मे आज तक कोई कार्रवाई नही कि गई और अब एक नया शिगूफा अनुसूचित जनजाति सलाहकार परिषद के तर्ज पर अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद गठन करने का निर्णय सिर्फ दलित समाज के लोगो का आईवाश करना भर है। आयोग के गठन नही होने से राज्य मे इन वर्गो का शोषण उत्पीड़न की घटनाओ मे वृद्धि हुई है और इनके सभी क्षेत्रों मे विकास अवरुद्ध हुआ है और इन्हें न्याय से भी वंचित होना पड़ रहा है।

श्री नायक ने राज्य के मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे दलित आदिवासी समाज के समस्याओ के समाधान में व्यक्तिगत रुचि लेने का कार्य कर इनके समस्याओ का समाधान करे नहीं तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे आगे।

स्त्रीत्व

लाली, बिंदिया से केवल तुम अपना,
नारीत्व सजा नहीं सकती,,
सुनो! हे भविष्य को गढ़नेवाली तुम,
ऐसे इतिहास रचा नहीं सकती।
तुम कंचन कर लोगी काया,
कर लोगी नित नव_निर्माण भी,,
पर बेमोल है वो श्रृंगार सखी!
जिससे तुम अपनी लाज
बचा नहीं सकती।
लाली, बिंदिया से केवल तुम,,,,

सुनो! कब तक तुम मोहोगी मन को
सुकुमारी, पुनीता, प्रीता बनकर
कब तक झेलोगी घाव को तुम
ऋण रोज चुकाती काया पर
छलनी होते कोमल मन पर।
पाने को अपना अधिकार स्वयं
तुम्हें भी रणचंडी बनना होगा
विध्वंस करे जो देशद्रोही को
ऐसा सुपूत जनना होगा।
तुम अडिग बनो पर्वत जैसा
जिसे कोई आंधी झुका नहीं सकती,,
लाली, बिंदिया से,,,,,,

तुम कोमल हो मखमल जैसी,
तलवार की तीखी धार भी हो।
तुम हो बहन,प्रिया,प्रसूता तो
तुम ही भगवती अवतार भी हो
सृष्टि की सशक्त सृजनकार भी हो।
तुम श्रद्धा_प्रेम के आलिंगन से
संताप सारे हर सकती हो,
हृदय में प्रेम आप्लावित कर,
गागर में सागर भर सकती हो।
हैं त्रिदेव खेलें तेरी गोदी फिर
क्यों अपनी शक्ति जगा नही सकती,,
सुनो!भविष्य को,,,,,

क्यों भींगी पलकें मिलती उपहार तुम्हें,
छलता क्यों प्रेम हर बार तुम्हें,
हों देव,मनुज,दनुज चाहे ऋषिवर
आखिर क्यों करते सब अस्वीकार तुम्हें,
सुनो!अब करना होगा प्रतिकार तुम्हें,,
शास्त्र _शस्त्र के विद्या का तुम्हें
अब ज्ञानार्जन करना होगा,
भेदना होगा हर चक्रव्यूह को
यूं घुट_घुट न मरना होगा,
तुम अड़ जाओ राज सिंहासन अब
तुम्हें कोई रणनीति भगा नहीं सकती,,
भविष्य को,,,,,
लाली बिंदिया ,,,
क्या मोल भला,,,
अपनी लाज बचा नहीं सकती
अपनी लाज बचा नहीं सकती।

रजनी प्रभा
कोलफील्ड मिरर

रानाघाट देवग्राम पुरातात्विक स्थल को इतिहास के पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (कोलकाता): देश की शिक्षा प्रणाली में भारत का नया संशोधित इतिहास लिखने का कार्य आज बहुचर्चित विषय है। कई लोगों की शिकायत है कि आजादी के बाद कांग्रेस सरकार के दौरान वामपंथी शिक्षाविदों द्वारा काल्पनिक और पक्षपातपूर्ण इतिहास लिखा गया। ऐसे समय में, "स्वास्तिक समाचार परिवार" और "वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया" की पश्चिम बंगाल शाखा के सदस्यों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक सामाजिक आंदोलन शुरू किया है कि देश के विभिन्न हिस्सों में भूमिगत स्थित महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों को भारत के इतिहास में स्थान दिया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी ने कहा कि हम शिक्षा प्रणाली में राजनीतिक प्रभाव के खिलाफ

हैं, लेकिन देश का सही इतिहास जानना निश्चित रूप से देशवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है क्योंकि विगत इतिहास में हुई गलतियों से सीख लेकर ही हम दोषरहित, शोषणमुक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। हम देश के पुरातत्व विभाग और शिक्षा मंत्रालय को भारत भर में फैले महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों के बारे में जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। लेकिन सबसे पहले हम यह प्रयास कर रहे हैं कि शिक्षा व्यवस्था को पश्चिम बंगाल के रानाघाट के गंगनापुर क्षेत्र में देवग्राम या देवलगढ़ के दो से तीन हजार साल पुराने इतिहास के महत्व से अवगत कराया जाए और उत्खनन के बाद इस इतिहास को इतिहास की पुस्तकों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए।

हालाँकि, हमारा मानना है कि उस क्षेत्र के इतिहास और लोक संस्कृति के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने में उस क्षेत्र के लोगों और इस मुद्दे पर काम करने वाले संगठनों की भूमिका निर्विवाद है। देवग्राम ट्रस्ट के अध्यक्ष चित्तरंजन बिस्वास ने शुरुआती दिनों में पुरातात्विक कलाकृतियों को पुनः प्राप्त करने के रोमांचक अनुभव का उल्लेख किया, साथ ही अपने घर का एक हिस्सा संग्रहालय के रूप में ट्रस्ट को दान कर दिया।

ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संजय भौमिक और कोषाध्यक्ष आदिश हलधर ने कहा कि देवग्राम संग्रहालय इतिहास और पुरातत्व के छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए एक शोध केंद्र हो सकता है, लेकिन इसके लिए सरकारी सहयोग की निश्चित रूप से आवश्यकता है। वेब जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया की कार्यालय सचिव अनामिका मोंडल ने इस आंदोलन से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद दिया,

जिनमें डॉ. चंद्रचूड़ गोस्वामी, चित्तरंजन विश्वास, संजय भौमिक, अधीश हलदर, तिलक पुरकायस्थ, रंजन सिकदर, बिस्वजीत रॉय, शुवेंदु मित्रा, अनिरबन बसु शामिल हैं, और सभी क्षेत्रों के लोगों, संगठनों और संस्थानों से आगे आकर अपना समर्थन देने की अपील की।

नारी, तुम्हें अब ख़ुद का सम्मान करना होगा

नारी, तुम्हें अब खुद का सम्मान करना होगा,
दूसरों के साथ अपने सपनों का भी ध्यान रखना होगा!
अपने सामने आज एक आईना रखना होगा,
अब खुद से अपने लिए सवाल करना होगा!
उंगलियां उठाने को तैयार हैं वो भी जिनके किरदार से खुद महक नहीं आती,
उन कांटों के बीच तुम्हें गुलाब सा महकना होगा!
नारी, तुम्हें अब दूसरों के साथ खुद का सम्मान करना होगा!
तुम अबला नहीं, तुम रानी लक्ष्मीबाई सा तेज रखना,
तुम शीतल जल सी हो पर गंगा सा वेग रखना!
तुम्हारे सपने तुम्हें ही पूरा करना होगा,
यह बात याद रखो परिवार के साथ तुम्हें अपना भी ख्याल रखना होगा!
संघर्ष से भरा जीवन है तुम्हारा
तुम्हें हर रोज यहां लड़ना होगा!
नारी, अब तुम्हें दूसरों से पहले खुद का सम्मान करना होगा।

पायल लाठ, छत्तीसगढ़
कोलफील्ड मिरर

उच्च अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने वाले पीईईओ के निलंबन की मांग

कोलफीड मिरर 08 मार्च (सिरोही): राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत के नेतृत्व में जिला कलेक्टर अल्पा चैधरी को ज्ञापन देकर उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना कर मनमाने ढंग से कार्यवाहक पीईईओ अजारी द्वारा भैरूलाल वर्मा कार्यवाहक प्रधानाध्यापक राउप्रावि ऐसाऊ पिण्डवाडा से अनाधिकृत रूप से जबरन चार्ज कार्य व्यवस्थार्थ अस्थाई रूप से लगे प्रबोधक को देने वाले दोषी कार्यवाहक पीईईओ अजारी को अविलम्ब निलम्बित कर कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की।

संघ (प्रगतिशील) के जिला मंत्री इनामुल हक कुरैशी ने बताया कि मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत ने जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि भैरूलाल वर्मा कार्यवाहक प्रधानाध्यापक राउप्रावि ऐसाऊ ब्लाक पिण्डवाडा जिला सिरोही में कार्यरत हैं प्रधानाध्यापक का पद रिक्त होने से लम्बे समय से इनके पास प्रधानाध्यापक का चार्ज हैं।

हाल ही में अन्य स्कूल से अधिशेष वरिष्ठ प्रबोधक गोपालसिंह को कार्य व्यवस्थार्थ दिनांक 20.01.2025 को राउप्रावि ऐसाऊ में पदस्थापित किया गया। कार्यवाहक पीईईओ अजारी द्वारा जबरन दिनांक 05.02.2025 को चार्ज हस्तान्तरण का आदेश गोपालसिंह के पास प्रधानाध्यापक के पास चार्ज रहेगा यह आदेश आदेश पंजिका में लिखकर गये। जबकि भैरूलाल वर्मा द्वारा शिक्षा निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा बीकानेर द्वारा दिनांक 07.01.2025 को जारी आदेश की पालनार्थ अधिशेष एवं कार्य व्यवस्थार्थ को चार्ज नहीं देने के स्पष्ट आदेश का हवाला देकर चार्ज नहीं दिये जाने का पत्र मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही, जिशिअ प्राशि सिरोही, सीबीईओ पिण्डवाडा एवं कार्यवाहक पीईईओ अजारी को देने के बाद जिशिअ प्राशि सिरोही द्वारा दिनांक 18.02.2025 को स्पष्ट आदेश जारी कर वरिष्ठ प्रबोधक को अधिशेष होने से नवीन अस्थाई पदस्थापन दिये जाने हेतु प्रस्ताव भेजने के निर्देश के साथ ही मर्ज से पूर्व की स्थिति को बहाल रखने के साथ कार्यवाहक पीईईओ अजारी से स्पष्टीकरण देने हेतु निर्देशित किया गया। लेकिन बडे खेद का विषय हैं कि कार्यवाहक पीईईओ अजारी ने नियमों को ताक में रखकर शिक्षा निदेशक एवं जिशिअ प्राशि सिरोही के आदेश की घोर अवहेलना करते हुए भैरूलाल वर्मा कार्यवाहक प्रधानाध्यापक राउप्रावि ऐसाऊ द्वारा दिनांक 01.03.2025 को मिड-डे-मिल की मासिक डाक कार्यवाहक पीईईओ अजारी द्वारा लौटाकर कहा कि वरिष्ठ प्रबोघक के हस्ताक्षरित आदेश ही मान्य होंगे यह कहकर पत्र लौटा देना शासकीय आदेशों की घोर अवहेलना की श्रेणी स्पष्ट रूप से प्रमाणित होती हैं।

दिनांक 05.03.2025 को कार्यवाहक पीईईओ अजारी ने दूसरी बार राउप्रावि ऐसाऊ में जाकर स्टाफ को धमकाकर कहा कि विद्यालय का चार्ज प्रबोधक के पास ही रहेगा और मिड-डे-मिल के डाक बनाने वाले प्रभारी अध्यापकों विष्णु सैनी एवं अनिता कुमारी को नोटिस देकर कहा कि डाक पर पूर्व के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक भैरूलाल वर्मा के हस्ताक्षर किस आधार पर कराये वस्तु स्थिति से स्पष्ट करने हेतु नोटिस दिया। इस तरह कार्यवाहक पीईईओ अजारी द्वारा पद की गरिमा के प्रतिकूल आचरण कर शिक्षा विभाग जैसे संवेदनशील विभाग में उच्चाधिकारियों के आदेशों की घोर अवहेलना की जा रही हैं जो कार्यवाहक पीईईओ अजारी की तानाशाही पूर्ण रवैये को प्रमाणित करती है। ऐसे अधिकारी के विरूद्ध शिक्षा विभाग को तत्काल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाकर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ की जानी चाहिए।

गुरुदीन वर्मा के अनुसार इस प्रकरण को लेकर संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य महामंत्री धर्मेंद्र गहलोत के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मृदुला व्यास से मिलकर कार्यवाहक पीईईओ जारी के तानाशाही पूर्ण रवैये से अवगत करवाया।

संगठन ने निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा बीकानेर, संयुक्त निदेशक स्कूली शिक्षा मण्डल पाली, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सिरोही, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा सिरोही, सीबीईओ पिण्डवाडा को भी ज्ञापन भेजकर कार्यवाही की मांग की। संगठन ने जिला कलेक्टर के समक्ष स्पष्ट किया कि दोषी को निलम्बित कर पीडित भैरूलाल वर्मा को तत्काल चार्ज देकर न्याय नहीं मिलने की स्थिति संगठन आन्दोलन का रास्ता अख्तियार करेगा।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवेश खत्री, पिंडवाड़ा उपशाखा अध्यक्ष मनोहर सिंह चौहान, धर्मेंद्र खत्री, गुरूदीन वर्मा, भीखाराम कोली, भेरूलाल वर्मा, सुरेश वसेटा, गणपत सिंह भाटी, जलालुद्दीन आदि थे।

चाकसू की बेटी बनी आइडियल

गाँव में गर्ल्स स्कूल दसवीं तक था, ललिता ने बॉयज स्कूल में एडमिशन लिया और नर्सिंग ऑफिसर बनकर कर रहीं सेवा

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: गांव मे दसवीं क्लास से ज्यादा किसी लड़की ने पढाई नहीं की थी क्योंकि गर्ल्स स्कूल इससे आगे नहीं था ऐसे विपरीत हालतों में ललिता टॉक ने हिम्मत दिखाई और अपने मम्मी पापा एवं भाईयों के कहने पर ब्वॉयज स्कूल मे एडमिशन लेकर साहस का परिचय दिया और बारहवीं पास कर अपने पीछे वालों की राह खोली और एक आइडियल साबित हुई। आज उनके गांव की

लड़कियां शिक्षा के क्षेत्र मे आगे आकर अलग अलग फील्ड में नौकरियां कर रही हैं।

ललिता यहीं नहीं रुकी नर्सिंग करके मानव सेवा कर रही हैं और कोरोना काल में अपनी सेवाएं दी हैं अपने व अपने परिवार के जीवन की परवाह किए बिना। कोरोना काल मे लॉक डाउन के दौरान स्वयं के द्वारा खाना, राशन,सेनिटाइजर, कैप, मास्क, फुटपाथ पर रहने वालों को वितरण करना, पशु, पक्षियों के लिए दाने, पानी, चारे की व्यवस्था की गई। इतने में भी नहीं रुकी समाज सेवा एवं एनजीओ से जुड़कर अपनी सेवाएं देने लगी। नर्सिंग सेवा के साथ साथ एनजीओ और समाज सेवा के द्वारा गरीब, लाचार, असहाय लोगों की मदद करना, सामूहिक विवाह सम्मेलनों मे शामिल होना और सहयोग करना। ब्लड डोनेशन कैंप लगवाना, मोतियाबिंद के कैंप लगवाना, निःशुल्क चश्मों का वितरण करना आदि कार्यों मे सहयोग करना।

कोरोना काल में एनजीओ के माध्यम से निशुल्क राशन वितरण, खाना बनाकर बांटना, पशु पक्षियों को चारे पानी , दाने की व्यवस्था करना, निःशुल्क सिलाई मशीनों का वितरण करना आदि। अपने उत्कृष्ट कार्यो के लिए डिपार्टमेंट एवं मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य भवन और अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवॉर्ड से, 5 बार राज्य स्तर पर सम्मानित किया जा चुका हैं। समर्पण संस्था द्वारा डॉ विधान चंद्र राय समर्पण समाज गौरव सम्मान 2024 मे, अन्य एनजीओ, समाज द्वारा, अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका हैं। समाज रत्न सम्मान से, कबीर कोहिनूर सम्मान से, कीर्ति सम्मान से, नारी शिरोमणि सम्मान, नारी गौरव सम्मान से, आयरन लेडी, महारानी लक्ष्मी बाई, सावित्रीबाई फुले अवार्ड से इंडियन इंस्पायरिंग अवार्ड से न्यूज चैनल द्वारा, भारत गौरव सम्मान से भारत मानव सेवा से बड़े-बड़े अवार्डों सम्मानित किया जा चुका है। ये ही नहीं नेशनल पार्लियामेंट ऑफ़ भारत डिजिटल हरित क्रांति इन दिल्ली उदयपुर से जोड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में भी अपने कार्यों के लिए ललिता टांक ब्रांड एंबेसडर और राष्ट्रीय ब्रांड एंबेसडर से सम्मानित हो चुकी है और अपने कार्यों के लिए राष्ट्रीय बुक भारत की ऊर्जावान किशोरी शक्ति नामक बुक मे ललिता टॉक को स्थान दिया गया और उनके व उनके कार्यों के बारे में और उनकी सेवाओं के बारे में लिखा गया है।

चाकसू की बेटी ने समाज सेवा मे दी मिसाल नामक लेख में लिखा गया है साहित्य के क्षेत्र में भी सम्मानित किया गया है। इनके द्वारा रचित कविताये भी छप चुकी है सर्जन की अग्रणी महिलाएं नामक बुक मे एवं पत्रिकाओं मे हिंदी काव्य रत्न सम्मान से, हिंदी आइडियल सम्मान से आदि से सम्मानित किया जा चुका हैं।

ललिता टॉक
सीनियर नर्सिंग ऑफिसर
महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट जयपुर राजस्थान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष- श्रद्धा जैन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: महिलाओं की शक्ति के प्रतीक के रूप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को हर साल 8 मार्च को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिन लैंगिक समानता, महिलाओं के अधिकारों और उनके द्वारा प्राप्त उपलब्धियों का उत्सव मनाया जाता है। हर साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष थीम जुड़ी होती है, जो उस दिन के लिए बहुत बड़ी भूमिका रखती है। ऐसे में इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम "एक्सीलरेट एक्शन" रखी गई है। जिसका मतलब "तेजी से कार्य करना" है। यह लैंगिक समानता हासिल करने के लिए तेज और निर्णायक कदम उठाने के महत्व पर केंद्रित है। जहां एक तरफ साल भर नारी सशक्तिकरण पर बात होती है, वहां नारी सशक्तिकरण का अर्थ हर मायने में गलत ही समझा जाता है। समझा जाता है कि नारी सशक्तिकरण का अर्थ सिर्फ महिलाओं का घर से बाहर निकलकर काम करना है और तब ही उन्हें अन्य महिलाओं से अलग और पुरुषों से ऊंची पहचान मिल सकती है। मगर, नारी सशक्तिकरण का एक अर्थ यह भी है की उन्हें ना पुरुषों से आगे और ना पुरुषों से पीछे अपितु पुरुषों के समान ही अपने काम के लिए सम्मान मिले। यद्यपि, एक कड़वा सच है की जहां महिलाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च को, इतने धूमधाम से मनाया जाता है वहां उन महिलाओं को साल भर पुरुषों के समान सम्मान पाने के लिए उन्हीं पुरुषों से अथक संघर्ष करना पड़ता है। चाहे फिर वह महिला पत्नी हो, माँ हो, सहकर्मी हो या उनकी बॉस हो। हमारा देश हर दिन अपनी नीतियों से भविष्य की ओर आगे बढ़ता है, मगर हमारे समाज का हर वर्ग एक-दूसरे से आगे होने की होड़ में हर दिन पीछे खिचता जाता है। और जिस देश का समाज आगे नहीं बढ़ता, उस देश की प्रगति भी एक समय पर आकर रूक जाती है। इस समस्या का एक ही समाधान है, लैंगिक समानता। समानता, समान सम्मान की और समानता, समान अवसर की। देश तो इस दिशा में काम कर ही रहा है, मगर हम इस दिशा में क्या कर रहे है, इस पर हमें अवश्य विचार करना चाहिए। हमें सिर्फ अपनी मानसिकता ठीक करने की आवश्यकता है। महिला चाहे बहन हो, माँ हो, पत्नी हो, सहकर्मी हो या आपकी बॉस हो, वह अपनी भूमिका में जो भी कर रही है, वह सम्मान की पात्र है। साथ ही हमें यह भी समझना चाहिए की सम्मान आदान-प्रदान की चीज है, ना की स्वामित्व या स्वत्व की। मुझे विश्वास है, हम सब अपने प्रयासों से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम एक्सीलरेट एक्शन को जरूर सार्थक करेंगे।

सर्वोत्तम औषधि मनः शांति की

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: मानसिक स्वस्थता के लिए मन की शांति सर्वोत्तम औषधि हैं यह स्वयं द्वारा स्वयं को भी दी जा सकती है। यह बहुत सरल विधि हैं। इसमें किसी से कुछ कभी नहीं चाहना वह और-और का सदा के लिए ही त्याग कर देना हैं। क्योंकि ईच्छा आकाश के समान अनन्त होती है इसका कोई छोर नहीं होता हैं। हम जो मिल जाता है पुण्योदय से, उसमें संतुष्टि का अनुभव न कर आपाधापी और दूसरे से जलन, कि उसके पास मेरे से ज्यादा कैसे हो गया, के नकारात्मक चिंतन से अप्रसन्न रहते है। तभी एक राजा, एक धनाढ्य आदि से एक गरीब, फटेहाल और अकिंचन आदि ज्यादा खुश रहता है प्रायः। हम अपना स्टेटस दूसरों का कम करके करना चाहते हैं, सारी उम्र इसमें गुजार देते हैं और नाखुश रहते हैं, हम अपना स्टेटस दूसरे से ज्यादा अपने काल-भाव स्वास्थ्य आदि के हिसाब से और सही से मेहनत करके, बढाकर नहीं करने की सोचते। इतना ही नहीं, प्रायः देखा जाता है, जो सद्‌गुणों से भरपूर होता है, उससे ग्रहण करने का चिंतन न बनाकर, वो मेरे से ज्यादा कैसे निकल गया कि ईर्ष्या से नाखुश रहते हैं, हम आत्मावलोकन करे और जो पुण्योदय से मिला है, वो पर्याप्त है, अपने से नीचे को देखे की हमें पुण्योदय से संज्ञी पंचेन्द्रिय मनुष्यभव पाया है, इसका सदुपयोग करके हलुकर्मी हो, जिससे कर्ममुक्ति के नजदीक हम पहुंच सकें। प्राप्त ही पर्याप्त है, सन्तोष परम् सुख है,खुशी का राज है। इस तरह हम कह सकते हैं उल्लास की यह जन्म स्थली हमारी ही निर्विकार आत्मा हैं जिसमैं खुशियों की सरिता अपने ही भीतर बह रही है और वो संतोष, सद्भाव, अनासक्ति आदि की लहरियों का लहराता समंदर हैं क्योंकि जब कुछ पाने की इच्छा का ही भाव नहीं होता है तब फिर न मिलने पर तनाव का घाव उसके मन में कभी भी नहीं होगा।

प्रदीप छाजेड़
बोरावड

बंधनों में बदलाव कैसा

कल
मेरे नयन सागर से गहरे और सुंदर
मेरे नासिका चंपे की कली
अधर मेरे मधुरस घट
कपोल सांध्य सूरज की लाली
बातें समय को पिघलाने वाली
चाँदनी को जलन है मेरे चेहरे से
चाल मेरी हंसिनी सी
मेरे सिंगार में कई चंद्रकलाएं
मेरा साथ और मेरा प्यार ज्यों विश्व पर अधिकार
मेरे आँचल की हवा
तुम्हारे एकाकीपन की दवा
ज्यों मैं अनमोल रतन सी
मेरा अस्तित्व स्वर्ग के सोपान सी
तुम्हारी आँखों में हर पल देखा है मैंने
तुम्हारी सांस हृदय स्पंदन में पाया है मैंने
तब न था हमारे बीच कोई मूर्त भौतिक संबंध
केवल अशरीरी अमूर्त प्रेम संबंध
उन मधुर बंधनों का नहीं कोई नाम
तुम कहते रहे यह बंधन जन्म जन्मांतरों का है
युग बीतते हैं पलों से तेरे साथ रह कर

आज
वह कल्पना ही नहीं है
जिक्र होता ही नहीं प्रेम का
सागर, चम्पा, हंस, चंद्रकलाएं
सूरज, स्वर्ग, हृदय, तारे
कहाँ खो गए सारे
क्या खुले गगन में विचरते पंछी को
पिंजरे में कैद करने का नाम ही बंधन है?
अब मेरे साथ रहने समय नहीं है तुम्हारे पास
आपस में बातें किए हमें हो गए कितने दिन?
मेरे हर चेष्टा तुम्हें पसंद नहीं
जानती हूँ मैं कि मैं बदली बिलकुल नहीं मानसिक रूप से
यह सचाई तुम जानते हो कि बदल गए हो तुम पूरी तरह
चाहा हुआ मिल जाए गर आसानी से
हमारे लिए उसका मोल होता है तिनके के बराबर
क्या रिश्तों को नाम देते ही
हो जाते हैं वे इस तरह स्वादहीन और असहनीय ?
क्या सारे बंधन ऐसे ही हैं?
हम से बेहतर है पंछी
बंधनों के बिना भी वे रह लेते हैं हंसी खुशी
इच्छा है खुले विशाल गगन में उड़ जाने की
इन रिश्तों से दूर... बहुत दूर।

डॉ टी महादेव राव
विशाखापटनम
कोलफील्ड मिरर

खुशियों की होली

रंग प्रीत की सज गई आज।
है खुशियों की होली।।
उड़े मेघ में तितली जैसी,
सुरम्य दिखे नजारे।
रंग देख मोहित हैं सारे।
करते हँसी ठिठोली।।
पायल मेरी शोर मचाती,
नयना काजल आँजे,
राह ताकती तेरी साजन,
यौवन तुझसे साजे,
हिय तरसे बातें सुनने को,
मधुरस तेरी बोली।।
सतरंगी ये छटा बिखेरी,
चली आज पिचकारी।
दिखे लालिमा इन कपोल पर,
लगती कितनी प्यारी।
प्रीत किया है इक दूजे से,
मिले भांग की गोली।।
व्याकुलता मन में छाई है,
अग्न लगी है काया,
स्वप्न आज साकार करो तुम,
छूट न जाए साया।।
आओ साजन! रंग लगाओ,
भींगे मेरी चोली।।
है खुशियों की होली।
है खुशियों की होली।।

प्रिया देवांगन "प्रियू"
गरियाबंद, छत्तीसगढ़
कोलफील्ड मिरर

विश्वास तुम हम पर----?

विश्वास तुम हम पर, करो नहीं प्यार में इतना।
निभा नहीं पायेंगे हम, प्यार में वादा अपना।।
विश्वास तुम हम पर-----।।

हमारे ख्वाब हैं ऊँचे, हमें पाना है बहुत कुछ यहाँ।
रंक से ऊंचा उठकर, नृप बनना है हमको यहाँ।।
बनाकर महल हम, कल देखेंगे और नया सपना।
विश्वास तुम हम पर-----।।

तुम्हारी तरहां तुमसे, वफ़ा कोई कर नहीं सकते।
कष्ट कोई इस प्यार में, यार हम सह नहीं सकते।।
मोहब्बत के लिए जीवन, नष्ट नहीं कर सकते अपना।
विश्वास तुम हम पर-----।।

हमें मतलब नहीं है, प्यार होता है सच्चा क्या।
छोड़ दो साथ हमारा, पार लगाना जीवन नैया।।
हमारे लिए बर्बाद तुम, करो नहीं जीवन अपना।
विश्वास तुम हम पर-----।।

गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

मैं लिखुं ग़ज़ल तेरी शबनमी आंखों में डूबकर

याद करके ज़ालिम और मुझको सज़ा न दे।
तेरे वादों का ऐतबार नहीं मुझको दग़ा न दे।
पुरानी मुहब्बतों के चिराग़ फ़िर से न जल उठें।
वो मस्त आंखों से शराब मुझको पिला न दे ।
मेरी आंखों में तेरी तस्वीर अब भी है बनी हुई।
मेरी कोई हरकत राज़ ए दिल सबको बता न दे।
ख़्वाब तेरे ही बसा रखे हैं,इन बहती आंखों में।
लहरें हक़ीक़त की आंखों में कंकर छुपा न दे।
तस्वीर तेरी बना रहा हूं, ख़ुद से बेख़बर हो कर।
डर है ज़माना आकर मुझसे तुझको छुड़ा न ले।
मैं लिखुं ग़ज़ल तेरी शबनमी आंखों में डूबकर।
ग़ज़लों के मेरी, शेर कोई "मुश्ताक़" चुरा न ले।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़ हरदा मध्य प्रदेश
कोलफील्ड मिरर

अवसान दिवस की कर न प्रतीक्षा

नहीं बुलाया तुमको मैंने ,फिर क्यों मेरी जान पड़ी हो
नहीं चाहता तुमको अंगना, फिर क्यों मेरे द्वार खड़ी हो
जीवन मेरा शेष अभी है, उसको जी भर जी लेने दो
आराध्य आदिशक्ति हैं उनकी, पूजा मुझको कर लेने दो
तुम्हें बुलावें तब ही आना ,आते जाते नहीं सताना
पड़े आपदा जब भी मुझ पर, संकेतों में राह बताना
नहीं मृत्यु से मुझको भय है, जाना सबको ही यह तय है
हंसी खुशी जैसे आए थे ,बिना कष्ट के जायं विनय है
बिना बुलाए कष्ट न आता, निश्छल मन से वह भय खाता
जिसने जीवन देकर भेजा , यहां छोड़ भूल क्यों जाता
आओ कृपा निधान तुम आओ, मेरे मन मंदिर बस जाओ
मृत्यु लोक के जितने वासी, उनको उनकी राह दिखाओ
भोला मृत्यु लोक के देवा, समरस अरु घट घट के वासी
जो कोई शरण आपकी आवे ,संकट दूर करें अविनाशी
शरण पकड़ उनकी मेरे मन, अवसान दिवस की कर न प्रतीक्षा
अभी नहीं तो कभी नहीं मन ,अंत समय हो कठिन परीक्षा

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
दबोहा भिंड/ग्वालियर
कोलफील्ड मिरर

नदी

नहीं है ख्वाहिश की दरिया से जा मिलूँ अभी,
लोगों की प्यास बुझे कुछ और बहूँ मैं अभी।

फेंक दे तू उत्कंठा और वेदना इस बहाव में,
रुको मत बस बढ़े चलो क्या रखा है ठहराव में।

विसर्जित कर दो सारी गंदगी मुझे नहीं है मलाल,
फ़ेंक दो द्वेष विकार और करो तुम कुछ कमाल।

जीवन तुझको मिले सदियों से बहती आई हूँ,
चट्टानों से गिरती पड़ती फिर भी मुस्काई हूँ।

स्वार्थ तज कर भी औरों के लिए जीना होगा,
तटिनी का तो काम है उसे सिर्फ बहना होगा।

थोड़ी देर और बहूँ फिर सागर से जा मिलूँ,
प्यासे तकते होंगे उन्हें भी तो जीवन दे दूँ।

दरिया से जाकर मिलना ही मेरा है ये धर्म,
बहा ले जाऊँ तेरी सारी पीड़ा ये भी है कर्म|

मैं नदी हूँ बहती रहती अविरल कल कल,
धो लो अपने सारे मैल रहो तुम भी निर्मल|

सविता सिंह मीरा
जमशेदपुर
कोलफील्ड मिरर

अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम, 2 अप्रैल 2025 से लागू- भारत चीन सहित अनेक देशों मैं खलबली मची

विश्व में दो विज़नों का आगाज़ - मेक इन इंडिया, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर फिर एक बार पूरी दुनियाँ को मानना पड़ेगा कि,क्यों अमेरिका को दुनियाँ के बादशाह की संज्ञा दी गई है। पिछले दिनों हमने देखे कि किस तरह रुस को मोहरा बनाकर यूक्रेन पर दबाव, फिर व्हाइट हाउस में ट्रंप ज़ेलेंसकी की शाब्दिक गर्माहट,अनेक देशों के तख्ता पलट यानी सत्ता की चाबी, इसका नतीजाज जेलेंस्की द्वारा 5 मार्च 2024 को रुस से युद्ध समाप्त करने की हामी भरी और एक चिट्ठी लिखकर इशारा सहित इसके पहले अप्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखाना सहित अनेक कठोर कदमों के साथ दिनांक 5 मार्च 2024 को अमेरिकी कांग्रेस को ट्रंप प्रशासन - 2 का पहला संबोधन हुआ, जिसमें पाकिस्तान की तारीफ, वैश्विक मुद्दों की चर्चा, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन को ध्यान में रखते हुए भारत चीन सहित अनेकों देशों पर रेसिप्रोकल टैक्स 2 अप्रैल 2025 को लागू करने की घोषणा की, यानें जो देश जितना टैक्स इंपोर्ट पर लगता है उतना ही रिसिप्रोकल टैक्स उसके एक्सपोर्ट पर भी लगाई जाएगी, इसीलिए अनेक देशों में खलबली मची हुई है। अनेक चीजों पर भारत-अमेरिकाएक दूसरे पर निर्भर हैं अगर दोनों एक दूसरे पर उतना टैक्स लगा देंगे तो अत्यधिक महंगाई हो जाएगी जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा वैसी ठीक वैसी ही स्थिति अमेरिका के पास भी उत्पन्न होगी खासकर भारत को फार्मास्यूटिकल प्रौद्योगिकी सहित अनेक क्षेत्रों में अमेरिका के साथ व्यापार होता है जो अमेरिका वालों को सस्ता लगता है इसलिए वे भारतीय चीजों को रिस्पांस देते हैं,परंतु अब इसपर रेसिप्रोकल टैक्स लगने से भारतीय उद्योगों को एमएसएमई सहित जो एक्सपोर्ट करते हैं उनकी बहुत अधिक फजीहत होने की संभावना है, क्योंकि उनका माल अमेरिका नहीं जा सकेगा क्योंकि अमेरिका जो भी जो माल आएगा उसपर भी टैरिफ लगाए आने से इसकी कीमतें बढ़ जाएगी, जिसका अल्टीमेटली फर्क उपभोक्ताओं को ही पड़ेगा, क्योंकि वह चीजें महंगी होंगी तो लोगों की जेब से अधिक पैसे खर्च होंगे इसलिए वे भारतीय चीजें लेना बंद कर देंगे ट्रंप का मानना है कि इसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। मेरा मानना है इसका असर अमेरिका सहित इत्यादि अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पढ़ सकनें की संभावना है, क्योंकि विश्व में दो विज़न्स का आगाज़ चल रहा है, मेक इन इंडिया तथा मेक अमेरिका ग्रेट अगेन इसलिए आज मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम 2 अप्रैल 2025 से लागू, भारत चीन सहित अनेकों देशों में खलबली मचना तय होने की संभावना?

साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा भारत सहित कुछ देशों पर 2 अप्रैल 2025 से रेसीप्रोकल टैक्स लगाने कीघोषणा करने की करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत को रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाने की बात को दोहराया है, उन्होंने कहा कि भारत, चीन सहित दुनिया के कई देशों पर 2 अप्रैल से रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाया जाएगा, इससे पहले कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत और चीन पर लगे 10 प्रतिशत ड्यूटी को बढ़ाकर 20 प्रतिशत लागू कर दिया था, ट्रंप के इस कदम से ग्लोबल मार्केट में अस्थिरता देखी जा रही है। दरअसल, ट्रंप 5 मार्च 2025 को कांग्रेस के ज्वाइंट सेशन को संभोधित कर रहे थे, उन्होंने इस दौरान अमेरिका रिच अगेन का आह्वान करते हुए इसका ऐलान किया, उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दूसरे देशों की ओरसे अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिसेस को रोकने के लिए यह बेहद जरूरी कदम है। यह फैसला अमेरिका की इंडस्ट्रीज और वर्कर्स को प्रोटेक्ट करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वजह से 2 अप्रैल को लागू होगी नई टैरिफ पॉलिसी,ट्रंप ने कहा, यह सिस्टम संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सही नहीं है और न ही कभी था, वे हम पर जो भी ड्यूटी लगाएंगे, हम उन पर शुल्क लगाएंगे, यदि वे हमें अपने मार्केट से बाहर रखने के लिए गैर-मौद्रिक बाधाएं डालते हैं, तो हम भी ऐसा ही करेंगे, इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ट्रैरिफ 2 अप्रैल से क्यों लागू किया जाएगा।ट्रंप ने मजाक तौर पर कहा कि पहले 1 अप्रैल से यह नीति लागू होने वाली थी, लेकिन इसे एक दिन आगे इसलिए टाल दिया गया कि इसे अप्रैल फूल न करार दिया जाए! बता दें कि ट्रंप की नई ट्रैरिफ नीति कनाडा, मैक्सिको, चाइना, यूरोपीय संघ और भारत सहित कई दिग्गज ट्रेड पार्टनर्स पर लागू होगी।

साथियों बात अगर हम रेसिप्रोसिल टैक्स से भारत को असर पढ़ने की संभावना की करें तो, बता दें कि अमेरिकी रेसिप्रोकल पॉलिसी का भारत पर गहरा असर पड़ेगा। इससे भारत के कई सेक्टरों को भारी नुकसान झेलने की आशंका है, दअसल, भारत अमेरिका को जेनेरिक मेडिसीन को एक्सपोर्ट करता है, जिससे भारत की दवा कंपनियों को मोटी आमदनी होती है, ऐसे में टैरिफ नीति से फॉर्मासुटिकल कंपनियों को भारी नुकसान होगा,इसके अलावा, आईटी सेक्टर पर भी गहरा नुकसान होने की उम्मीद है। ट्रंप यह कदम भारत की आईटी कंपनियों के लिए मुसिबत बन सकता है, इन्हें अमेरिका में प्रोजेक्ट्स मिलने में बांधा आएगी, इसके अलावा, ऑटोमोबाइल, मेटल सहित कई सेक्टरों को नुकसान होने की आशंका है। क्या होता है रेसिप्रोकल टैरिफ? रेसिप्रोकल टैरिफ का मतलब जब किसी देश को अन्य देश से एक्सपोर्ट और इंपोर्ट पर समान टैरिफ चुकाना पड़ता है तो उसे रेसिपोकल टैरिफ कहा जाता है। समझने के लिए: मान लीजिए कि अगर अमेरिका भारत से ऑटो सेक्टर के सामान इंपोर्ट करता है और उसे 25 प्रतिशत का टैरिफ देना पड़ता है तो, भारत को भी अमेरिका से ऑटो सेक्टर के सामान इंपोर्ट करने पर 25 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ट्रंप का रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने के पीछे का मकसद अमेरिका एक्सपोर्ट के साथ उचित व्यवहार सुनिश्चित करना है, जो अप्रत्यक्ष रूप से उन पार्टनर देशों को भी संबोधित करता है, जो यूएस ट्रेड को असंतुलित करते हैं। नुमोरा ने एक कॉमन ट्रेंड को हाईलाइट करते हुए कहा कि अमेरिका से ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर के प्रोडक्ट इंपोर्ट करने पर बहुत ज्यादा टैरिफ है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 5 मार्च 2024 को ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस ट्रंप-2 शासन के प्रथम अधिवेशन के संबोधन में मुख्य 10 बातों की करें तो,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल से भारत पर जैसा को तैसा टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100 पेर्सेंट से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं। उन्होंने रिकॉर्ड 1 घंटा 44 मिनट का भाषण दिया। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ 1 घंटे का भाषण दिया था।ट्रम्प ने भाषण की शुरुआत अमेरिका इज बैक, यानी 'अमेरिका का दौर लौट आया है' से की। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने 43 दिन में जो किया है वह कई सरकारें अपने 4 या 8 साल के कार्यकाल में नहीं कर पाईं। राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले भाषण की 10 अहम बातें की (1) जैसे को तैसा टैरिफ: 2 अप्रैल से जैसे को तैसा टैरिफ लागू होगा। दूसरे देश हम पर भारी टैरिफ और टैक्स लगाते हैं, अब हमारी बारी है। अगर कोई कंपनी अमेरिका में प्रोड्क्ट नहीं बना रही है तो उसे टैरिफ देना होगा। (2) यूक्रेन जंग: जेलेंस्की जल्द से जल्द यूक्रेन जंग खत्म करने को लेकर बातचीत के लिए आने को तैयार हैं। हमने रूस के साथ गंभीर बातचीत की है। हमें मॉस्को से मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं (3) अप्रवासी मुद्दा: पिछले चार साल में 2.1 करोड़ लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं। हमारी सरकार ने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा बॉर्डर और इमिग्रेशन क्रैकडाउन शुरू किया है। (4) जो बाइडेन: बाइडेन अमेरिकी इतिहास के सबसे खराबराष्ट्रपति हैं। उनके कार्यकाल में हर महीने लाखों अवैध लोग देश में दाखिल हुए। उनकी नीतियों के चलते देश में महंगाई बढ़ी। (5) गोल्ड कार्ड वीजा: हम गोल्ड कार्ड वीजा सिस्टम लाने जा रहे हैं। यह ग्रीन कार्ड की तरह है, लेकिन उससे ज्यादा एडवांस है। इससे बड़ी संख्या में नौकरियां पैदा होंगी और कंपनियों को फायदा होगा। (6) पनामा नहर और ग्रीनलैंड: हम किसी भी तरह पनामा नहर पर कंट्रोल हासिल करेंगे। इसके साथ ही हम किसी भी तरह ग्रीनलैंड को अपने में शामिल करेंगे। हम वहां के लोगों की हिफाजत करेंगे। (7) इलॉन मस्क और DoGE: इलॉन मस्क के DoGE विभाग ने पिछली फेडरल सरकार के कई घोटालों को उजागर किया है। मस्क को ये विभाग बनाने की कोई जरूरत नहीं थी, लेकिन उन्होंने देश के लिए ऐसा किया। (8) फ्री स्पीच: हमने सरकारीसेंसरशिप पूरी तरह रोक दी है और अमेरिका में फ्री स्पीच वापस ले आए हैं। हमने ऐसे सरकारी तंत्र को खत्म कर दिया है जिसका इस्तेमाल हथियार के तौर पर किया जाता है। (9) तेल और गैस: अमेरिका के पास दुनिया के किसी भी देश से ज्यादा 'लिक्विड गोल्ड' (तेल और गैस) है। हम अलास्का में बहुत बड़ी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाएंगे। इसमें कई देश अरबों रुपए निवेश करना चाहते हैं। (10) स्पेस प्रोग्राम: हम विज्ञान की नई सीमाओं को पार करेंगे, इंसान को अंतरिक्ष में आगे ले जाएंगे और मंगल ग्रह पर अमेरिकी झंडा फहराएंगे। हम दुनिया की सबसे उन्नत और शक्तिशाली सभ्यता का निर्माण करेंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका का रेसिप्रोकल टैक्स बम 2 अप्रैल 2025 से लागू- भारत चीन सहित अनेक देशों मैं खलबली मची। विश्व में दो विज़नों का आगाज़- मेक इन इंडिया, मेक अमेरिका ग्रेट अगेन। ट्रंप के रेसिप्रोकल टैक्स कदम से ग्लोबल मार्केट में हड़कंप व अस्थिरता के माहौल से महंगाई बढ़ने की संभावना।

-संकलनकर्ता लेखक–
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

अब महिलाओं के प्रति बदलना होगा नज़रिया

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम इक्कीसवीं सदी की बात करे तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिये लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। उससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जायेगी। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदो पर तैनात किया जाने लगा है। जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है तथा विकास में भी बराबर की भागीदार है। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है "कार्रवाई में तेज़ी लाना"। वर्ष की 2025 थीम में सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता, सशक्तिकरण होगी। जो वैश्विक स्तर पर महिलाओं और लड़कियों की प्रगति को रोकने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के लिए समावेशन और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इन अपराधों में बलात्कार, छेड़छाड़, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, साइबर अपराध, और अपहरण जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा मामले घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के सामने आए हैं। जो समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति हमारी उदासीनता को दर्शाते हैं। इससे पहले 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई। ऐसे मामलों में आरोप पत्र दायर करने की दर 75.8 फीसदी रही। एनसीआरबी ने बताया कि भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता किए जाने के थे। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से महिलाओं पर हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले रहे। एनसीआरबी के मुताबिक पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षो से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून बने है। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। राष्ट्रीय महिला आयोग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए हैं। आंकड़े हैरान कर देने वाली हैं। क्योंकि आयोग में ये शिकायत गरिमा के अधिकार कैटेगरी के अंतर्गत दर्ज किया गया है। इसके बाद दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किये हैं। आज भारत में महिलायें पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तिकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पायेगी।

रमेश सर्राफ धमोरा

सार्थक भागीदारी से “एक्सीलरेट एक्शन” के लिए काम करती प्रियंका 'सौरभ'

कोलफील्ड मिरर 08 मार्च 2025: लेखिका होने के अलावा शिक्षिका और सामाजिक कार्यकर्त्ता भी है प्रियंका सौरभ। महिला सशक्तिकरण, हिन्दी भाषा, भारतीय सभ्यता और विरासत, धर्म, संस्कृति और बच्चों और महिलाओं के लिए साहित्यिक और शैक्षिणिक गतिविधियाँ, सामाजिक सरोकारों को लेकर कार्य करती है। देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित मंचों पर साहित्यिक, सामाजिक,सांस्कृतिक, महिलाओं और बच्चों से जुड़े हुए कार्यक्रमों का सफल सञ्चालन किया है। ख़ुद का एक शैक्षिणिक यू ट्यूब चैनल चलाकर फ्री कोचिंग भी देती है।)

कहते है न कि बच्चों को जैसा माहौल घर में मिलता है, उनके भविष्य में उसकी छाप ज़रूर दिखती है। अगर परिवार में गायन का माहौल है तो बच्चें में गायन के गुण स्वतः आ जाते हैं। ऐसे ही अन्य कलाओं के बारें में भी है। साहित्यिक माहौल वाले परिवार में पली-बढ़ी हरियाणा के हिसार के गाँव आर्यनगर में जन्मी प्रियंका 'सौरभ' आज देश की चर्चित संपादकीय लेखिका, शिक्षिका, साहित्यकार और सामाजिक कार्यकर्त्ता है। वे कहती है-"मेरे मायके में मेरे दादा जी और पिता जी को किताबें पसंद थी और अब ससुराल में आने के बाद मेरे पति ने साहित्यिक माहौल दिया है।" इनके पति डॉ सत्यवान 'सौरभ' एक चर्चित कवि और लेखक है तो आये रोज़ घर में साहित्यिक चर्चाएँ और गतिविधियाँ चलती रहती है। बचपन में डायरी लिखने का अंकुर मन में पड़ चुका था। स्कूल और कॉलेज के दिनों में डायरी में कुछ न कुछ लिखने की आदत रही। राजनीति विज्ञान में मास्टर्स और एमफिल के दौरान समसामयिक विषयों की समझ बढ़ी तो समसामयिक लेख लिखने की आदत बनी। आज ये हिंदी और अंग्रेजी के 10,000 से अधिक समाचार पत्रों के लिए दैनिक संपादकीय लिख रही हैं जो विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित होते हैं। कोरोना

काल के दौरान ऑनलाइन गोष्ठियाँ शुरू हुई तो काव्य में रूचि के चलते कवितायेँ लिखने की शुरुआत हुई। इसी दौरान पहला काव्य संग्रह 'दीमक लगे गुलाब' नाम से छपा और काफ़ी चर्चित हुआ। महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर लिखते रहने से दूसरी पुस्तक 'निर्भयाएं' निबंध संग्रह के रूप में आया और तीसरी पुस्तक अंग्रेज़ी में 'फीयरलेस' बनकर आई। हाल ही में चौथी पुस्तक 'समय की रेत पर' अहमदाबाद से प्रकशित हुई है और साथ ही 'दीमक लगे गुलाब' काव्य संग्रह का दूसरा संस्करण बाज़ार में आया है।

कई क्षेत्रों में कार्य, सम्मान भी मिलें

अपनी सार्थक भागीदारी का परिचय देते हुए प्रियंका सौरभ महिलाओं के लिए “एक्सीलरेट एक्शन” का काम कर रही है। लेखिका होने के अलावा शिक्षिका और सामाजिक कार्यकर्त्ता भी है। महिला सशक्तिकरण, हिन्दी भाषा, भारतीय सभ्यता और विरासत, धर्म, संस्कृति और बच्चों और महिलाओं के लिए साहित्यिक और शैक्षिणिक गतिविधियाँ, सामाजिक सरोकारों को लेकर कार्य करती है। देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित मंचों पर साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, महिलाओं और बच्चों से जुड़े हुए कार्यक्रमों का सफल सञ्चालन किया है। ख़ुद का एक शैक्षिणिक यू ट्यूब चैनल चलाकर फ्री कोचिंग भी देती है। साहित्यिक, शैक्षिणिक और सामाजिक गतिविधियों के लिए कई सम्मान भी मिल चुके। इनमें आईपीएस मनुमुक्त 'मानव' पुरस्कार, नारी रत्न पुरस्कार, हरियाणा की शक्तिशाली महिला पुरस्कार (दैनिक भास्कर समूह) ज़िला प्रशासन भिवानी द्वारा पुरस्कृत, यूके, फिलीपींस और बांग्लादेश से डॉक्टरेट की मानद उपाधि, विश्व हिन्दी साहित्य रत्न पुरस्कार, सुपर वुमन अवार्ड, ग्लोबल सुपर वुमन अवार्ड, महिला रत्न सम्मान, विद्यावाचस्पति मानद पीएच.डी. (साहित्य) स्वतन्त्र पत्रकारिता और साहित्य में उत्कृष्ट लेखन के लिए महात्मा गांधी अवॉर्ड प्रमुख है।

आत्म कथ्य:- जीवन में सफल होना है तो हमेशा बेहतरी के लिए प्रयास करते रहें। जो भी काम करें किसी ख़ास उद्देश्य के लिए समाज के हित में हो। जो भी करें यह सोचे कि इस से और बेहतर क्या कर सकते है। हमेशा अपना बेस्ट दें।